PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 308 ● भिलाई, शनिवार 20 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु कोर्ट का एक्स-गूगल और मेटा को निर्देश

बेंगलुरु। कर्नाटक में बेंगलुरु की एक सिविल कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री कोनिडाला पवन कल्याण के बारे में प्रकाशित अपमानजनक पोस्ट को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने यह आदेश 11 जून को पवन कल्याण की ओर से राम प्रसाद तल्लुरी द्वारा दायर याचिका पर दिया है। कोर्ट ने सोशल मीडिया को निर्देश दिया कि वे कल्याण के लिए मानहानिकारक बयान, लेख, आरोप या वीडियो प्रकाशित, पुनर्प्रकाशित, प्रसारित, संचारित, अपलोड या प्रदर्शित न करें। तेलंगाना के जनवाड़ा में झील की जमीन पर अतिक्रमण का मामला सोशल मीडिया पर चल रहा है, जिसमें कल्याण पर आरोप लगाने वाली पोस्ट प्रकाशित की जा रही है। इसे देखते हुए जनसेना पार्टी के प्रमुख कल्याण ने एक्स, गूगल, मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। कल्याण इससे पहले निचली अदालत में पेश हुए थे, जिसने 10 जून को उनके पक्ष में अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की थी और मानहानिकारक पोस्ट पर रोक लगा दी थी। इसके बाद भी कल्याण अंतरिम आदेश में संशोधन की मांग करते हुए कोर्ट पहुंचे थे, जिसमें मानहानिकारक सामग्री वाली कुछ यूआरएल और लिंक को स्पष्ट रूप से शामिल करने की मांग की थी।

सूरत में बनेगा देश का पहला विशेष टेक्सटाइल पुलिस स्टेशन

सूरत। देश की टेक्सटाइल राजधानी के रूप में पहचान रखने वाले सूरत के कपड़ा कारोबारियों को जल्द ही बड़ी राहत मिलने वाली है। गुजरात सरकार ने शहर में देश के पहले विशेष टेक्सटाइल पुलिस स्टेशन की स्थापना को मंजूरी दे दी है। यह थाना विशेष रूप से कपड़ा उद्योग से जुड़े धोखाधड़ी, व्यापारिक विवाद और अन्य आर्थिक अपराधों की जांच के लिए समर्पित होगा। सूरत का कपड़ा उद्योग देश के सबसे बड़े व्यापारिक केंद्रों में से एक है, जहां प्रतिदिन करोड़ों रुपये का कारोबार होता है। लंबे समय से व्यापारी संगठन कपड़ा कारोबार से जुड़े मामलों के लिए अलग पुलिस स्टेशन की मांग कर रहे थे। सरकार की मंजूरी के बाद अब इस परियोजना को अगले एक से दो वर्षों में धरातल पर उतारने की तैयारी की जा रही है।

14 दिन की पैरोल बनी फरारी का मौका, पाक्सो का आरोपी जेल नहीं लौटा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के केंद्रीय जेल बिलासपुर से 14 दिनों की पैरोल पर रिहा किया गया पॉक्सो मामले का दोषी निर्धारित समय पर वापस जेल नहीं लौटा। कैदी के फरार होने की जानकारी मिलते ही जेल प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। मामले में सिविल लाइन थाना पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मुंगेली जिले के फास्टरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जल्लीखुर्द निवासी निरंजन सत्यम (28), पिता पालन सोनवानी, पॉक्सो एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा काट रहा था।

डोनाल्ड ट्रंप के बड़बोलेपन पर भड़कीं मेलोनी

मैं और मेरा देश कभी भीख नहीं मांगते-जॉर्जिया मेलोनी

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के बीच जबर्दस्त भिड़ंत हो गई है। इस भिड़ंत का असर भी दिखने लगा है। जहां इटली की सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति को लताड़ लगाई है, वहीं, इटली के विदेश मंत्री ने अमेरिका की यात्रा रद्द कर दी है। यह सबकुछ डोनाल्ड ट्रंप की उस बड़बोलेपन भरी टिप्पणी के बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि मेलोनी ने उनसे जी7 सम्मेलन के दौरान फोटो के लिए भीख मांगी थी। ट्रंप के इस दावे को लेकर जॉर्जिया मेलोनी ने भी कड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने कहाकि मैं और मेरा देश इटली, कभी भीख नहीं मांगते। गौरतलब है कि इटली और अमेरिका के बीच संबंध अच्छे माने जाते हैं। लेकिन ताजा घटनाक्रम के बाद हालात बिगड़ते नजर आ रहे हैं। इस घटनाक्रम के बाद इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तेजानी ने इस सप्ताहांत होने वाला अपने अमेरिका दौरा भी रद्द कर दिया है। उन्होंने ट्रंप के दावे को इटली और प्रधानमंत्री मेलोनी के प्रति गंभीर और हमलावर बताया है। वहीं, मेलोनी ने भी इसको लेकर एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में मेलोनी कह रही हैं कि इटली और मैं कभी भीख नहीं मांगते। ट्रंप ने यह टिप्पणी शुक्रवार को एक इंटरव्यू के दौरान की। यह इंटरव्यू एल7 नेटवर्क पर प्रसारित हुआ। इस दौरान पत्रकार ने उनसे यूक्रेन को लेकर सवाल किया था। लेकिन ट्रंप ने मेलोनी का मुद्दा उठाया और इसके बाद पूरी बातचीत दोनों की जी7 में हुई मुलाकात की तरफ मुड़ गई। इसका एक वीडियो भी आया था, जिसमें ट्रंप और मेलोनी किसी मुद्दे को लेकर काफी गंभीर चर्चा कर रहे थे। एल7 के मुताबिक ट्रंप ने कहाकि मेलोनी ने उनसे फोटो खिंचाने के लिए भीख मांगी थी। ट्रंप ने कहाकि वह शुरू में ऐसा नहीं करना चाहते थे। लेकिन

इटली कभी किसी के सामने गिड़गिड़ाता नहीं

अपने बयान में मेलोनी ने कहा कि इटली और वह स्वयं किसी के सामने झुकने या गिड़गिड़ाने में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें दुख है कि पश्चिमी देशों के विरोधियों के मुकाबले सहयोगी देशों के नेताओं के प्रति अधिक आलोचनात्मक रवैया अपनाया जाता है। मेलोनी की प्रतिक्रिया के बाद यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बटोर रहा है। दोनों नेताओं के बीच बयानबाजी ने एक बार फिर वैश्विक कूटनीति और राजनीतिक शिष्टाचार को लेकर बहस को हवा दे दी है।

मेलोनी ने ट्रंप के दावे को किया खारिज

ट्रंप के बयान के बाद जियोर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो साझा कर उनकी टिप्पणियों का जवाब दिया। उन्होंने ट्रंप के दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत बताते हुए कहा कि उन्हें इस तरह के बयान पर हैरानी हुई है। मेलोनी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सहयोगी देशों के नेताओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि सहयोगियों के प्रति इस तरह का रवैया क्यों अपनाया जाता है।

बाद में उन्हें मेलोनी के लिए तकलीफ हुई और वह फोटो खिंचवाने के लिए तैयार हो गए। एल7 ने इंटरव्यू का डब किया हुआ वर्जन ऑनलाइन लगाया है। यह अंग्रेजी वाला ओरिजिनल ऑडियो नहीं है। वहीं, मेलोनी ने अपने वीडियो में कहाकि वह ट्रंप के दावे पर इसलिए जवाब दे रही हैं क्योंकि कुछ चीजों का तुरंत जवाब दिया जाना जरूरी है। उन्होंने कहाकि ट्रंप का बयान पूरी तरह से फैब्रिकेटेड हैं। मैं इसको लेकर बहुत ज्यादा हैरान हूं। उन्होंने कहाकि मुझे नहीं पता कि आखिर राष्ट्रपति ट्रंप अपने सहयोगी देश के प्रति इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहाकि हालांकि यह पहली बार नहीं है जब ऐसा कुछ हुआ है। यह स्पष्ट रूप से उस इंटरव्यू का संदर्भ था जो ट्रंप ने अप्रैल में इटली डेली कोरिएरे डेला सेरा को दिया था। इसमें उन्होंने मेलोनी की उस बात की आलोचना की थी कि उन्होंने अमेरिका-इज़राइल के ईरान युद्ध का समर्थन नहीं किया। उस समय मेलोनी ने सार्वजनिक रूप से जवाब नहीं दिया था। लेकिन इस बार मेलोनी के सब्र का बांध टूट चुका है। मेलोनी ने शुक्रवार को कहाकि मैं केवल इतना कह सकती हूं कि यह दुखद है कि वह पश्चिम के दुश्मनों के प्रति, अमेरिका के दुश्मनों के प्रति ऐसा रवैया नहीं दिखाते। मेलोनी ने शुरू में लंबे समय से मजबूत अमेरिका और इटली के संबंधों को बनाए रखने की कोशिश की।

ओम बिरला से क्यों मिलने पहुंचे अभिषेक बनर्जी

अब बागी टीएमसी सांसदों की सदस्यता पर लटकी तलवार.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

टीएमसी के नेताओं ने आज लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से मुलाकात की। इस दौरान अभिषेक बनर्जी के साथ कल्याण बनर्जी, डेरेक ओब्रायन, महुआ मोइत्रा और सौगत राय भी मौजूद रहे। मुलाकात के दौरान अभिषेक बनर्जी ने टीएमसी के बागी सांसदों के मर्जर को असंवैधानिक बताया। उन्होंने स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात के दौरान अपनी पार्टी के 20 बागी सांसदों के खिलाफ अयोग्यता की मांग करते हुए 20 याचिकाएं सौंपीं।अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से कहा कि सांसद अपने आप किसी दूसरी पार्टी में विलय नहीं

कर सकते, इसकी वजह से उन्हें अयोग्य करार दिया जाना जाहिए। उन्होंने कहा कि बागी सांसदों को अयोग्य करार देने के लिए दायर याचिकाओं पर कहा, 'हमें उम्मीद है कि लोकसभा अध्यक्ष हमें न्याय प्रदान करेंगे।' स्पीकर से मुलाकात के बाद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि जिन बागी सांसदों ने कम जानी-मानी 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' एनसीपीआई में शामिल होने का दावा किया है, उन्हें पार्टी छोड़ने के आधार पर सदन की सदस्यता से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 20 लोगों ने स्पीकर से मुलाकात की और दावा किया कि उन्हें एक अलग पार्टी माना जाना चाहिए। बाद में, हमें पता चला कि उन सांसदों ने एक दूसरी पार्टी, एनसीपीआई में शामिल होने का दावा किया है; इस पार्टी का नाम किसी ने नहीं सुना है। यहां तक कि उन्होंने खुद भी इस पार्टी का नाम नहीं सुना था। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि संविधान की 10वीं अनुसूची में स्पष्ट है कि यदि कोई सदस्य स्वेच्छा से किसी पार्टी की सदस्यता छोड़ता है।

जंतर-मंतर पर फिर से प्रदर्शन की तैयारी में कॉकरोच जनता पार्टी

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा न होने से नाराज कॉकरोच जनता पार्टी 20 जून को फिर से जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने की तैयारी में है. इसके लिए दिल्ली पुलिस से परमिशन मांगी गई है. बता दें कि नीट पेपर लीक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 6 जून को जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया था. इस प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने घोषणा की थी कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे तब तक हमारा विरोध प्रदर्शन अलग अलग राज्यों में जारी रहेगा.

सीएम रेखा ने किया शुभारंभ

दिल्ली में जन कल्याण शिविरों का आयोजन

नई दिल्ली। केंद्र और दिल्ली सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से राजधानी दिल्ली में जन कल्याण शिविरों का आयोजन शुरू किया गया. इसी क्रम में संदेश विहार स्थित एमसीडी कम्युनिटी हॉल में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जन कल्याण शिविर का शुभारंभ किया. यह विशेष अभियान 18 से 20 जून तक दिल्ली के 42 विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन

और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है. शिविरों में केंद्र एवं दिल्ली सरकार की विभिन्न योजनाओं से संबंधित जानकारी, पंजीकरण और आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कर्नाटक में एमएलए की क्रॉस वोटिंग पर बीजेपी सख्त

नितिन नबीन ने प्रदेश अध्यक्ष को बुलाया दिल्ली होगी जांच

नई दिल्ली/ एजेंसी

अक्सर चुनाव के दौरान विरोधी दलों के सदस्यों द्वारा बीजेपी के पक्ष में मतदान की खबरें आती रही हैं। लेकिन इस बार कर्नाटक इसके उलट कुछ ऐसा हुआ, जिसने भाजपा आलाकमान की नींद उड़ा दी है। कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में बीजेपी और जेडीएस के कई विधायकों ने कांग्रेस उम्मीदवार क लिए क्रॉस वोटिंग की। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की इस सियासी चाल से कांग्रेस के सभी 5 उम्मीदवारों को जीत मिली

है। दूसरी तरफ एनडीए की सहयोगी पार्टी जेडीएस के उम्मीदवार को करारी शिकस्त मिली है। कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में मिली इस हार से भाजपा खेमे में हड़कंप मच गया है। अब इन सभी चीजों की जांच के लिए बाजपा ने कमेटी गठित कर दी है। दूसरी तरफ बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने प्रदेश अध्यक्ष समेत कई नेताओं को दिल्ली तलब किया है। भाजपा ने कर्नाटक विधान परिषद चुनाव के दौरान पार्टी विधायकों द्वारा कथित क्रॉस-वोटिंग से जुड़े मामले का पता लगाने के लिए तीन सदस्यों की एक कमेटी गठित की है। भाजपा ने इस मामले में आंतरिक जांच कराने का फैसला किया है। क्रॉस वोटिंग मामले की इस कमेटी में पूर्व मंत्री और एमएलसी सी.टी. रवि, बीजेपी के राज्य उपाध्यक्ष एन. महेश तथा विधायक महेश तेंगिनाकाई को शामिल किया गया है।

अब महाराष्ट्र में अटक गया दक्षिण-पश्चिम मानसून, 5 से 6 दिन बाद आगे बढ़ेगा

मुंबई। इस साल मानसून बार-बार अपनी रफ्तार खोता दिख रहा है। पिछले दिनों 4 जून को केरलम पहुंचने के बाद यह अटक गया था, अब महाराष्ट्र में यह आगे नहीं बढ़ रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून दक्षिण कोंकण और दक्षिण मध्य महाराष्ट्र में आगे बढ़ गया था, लेकिन अब बाकी हिस्सों में बढ़ने की प्रक्रिया कुछ दिन से रुकी हुई है। विभाग ने बताया कि यह अगले 5 से 6 दिन में बढ़ेगी। आईएमडी ने बयान में कहा, यह देरी बड़े पैमाने पर मौसम की अनुकूल स्थितियों के न होने के कारण हुई है।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर सामने आया नया लुक

भगवान परशुराम के रूप में दिखाने के राजनीति मायने

नई दिल्ली/ एजेंसी

वरिष्ठ कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज अपना 56वां जन्मदिन मना रहे हैं। जन्मदिन पर राहुल गांधी को लोग बधाई संदेश दे रहे हैं। इसी बीच काशी के गंगा घाट से जन्मदिन पर राहुल गांधी का नया लुक सामने आया है। गंगा घाट पर यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के जन्मदिन पर जश्न मनाया। इस दौरान राहुल गांधी का पोस्टर लिए हुए थे उसमें उन्हें भगवान परशुराम के अवतार में दिखाया था। राहुल गांधी के एक

हाथ में परशुराम का फरसा और दूसरे हाथ में संविधान लिए हुए दिखाया गया है। राहुल गांधी की भगवान परशुराम के अवतार वाली तस्वीर राजनीति के बदलते मिजाज, सामाजिक समीकरणों और नैरेटिव की जंग को बयां कर रही है। इस तस्वीर के जरिए यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सियासी संदेश देने की कोशिश की है। भगवान परशुराम के अवतार में राहुल गांधी की तस्वीर लेकर गंगा घाट पहुंचे यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गंगा नदी में उनकी तस्वीर पर दूध चढ़ाई। इसके बाद केक भी काटा। भगवान परशुराम को न्याय, साहस और ब्राह्मण समाज के अस्मिता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। उनके हाथ का फरसा अत्याचारी राजाओं के खिलाफ कमजोरों की रक्षा और न्याय की स्थापना का शस्त्र रहा है।

राम मंदिर चोरी केस में सीएम योगी का कड़ा रुख

बस 15 दिन का इंतजार,बख्शा नहीं जाएगा कोई भी अपराधी

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या पहुंचकर राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर अपनी पहली तीखी प्रतिक्रिया दी है। सीएम योगी ने साफतौर पर कहा है कि सरकार ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के विशेष अनुरोध पर एक उच्च स्तरीय एसआईटी जांच के कड़े आदेश दे दिए हैं। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि एसआईटी की फाइनल जांच रिपोर्ट आने तक किसी भी तरह की भ्रामक और गैर-जरूरी बयानबाजी से पूरी तरह बचें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि इस पूरे मामले में जो भी असल अपराधी होगा, वह किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर भी बिना नाम लिए बहुत करारा और तीखा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपने शासनकाल में निहत्थे राम भक्तों और निर्दोष कार सेवकों पर गोलियां चलवाई थीं, वे आज उपदेश दे रहे हैं। योगी ने सभी लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि अगर किसी के पास कोई पुख्ता सबूत हैं, तो वह एसआईटी को सौंपे। उन्होंने रामभक्तों को भरोसा दिलाया है कि केवल 15 दिन का और इंतजार करें, इस जांच के बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर ओछी राजनीति करने वाले विपक्षी नेताओं को सीएम योगी ने बहुत ही कड़े शब्दों में उचित जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले खूंखार माफियाओं की कब्र पर जाकर फातिया पढ़ते थे, वे अब

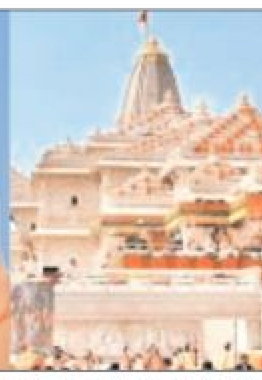

हमें रामभक्ति का पाठ सिखा रहे हैं। अयोध्या में जय श्री राम का पवित्र नारा लगाने वालों पर लाठियां बरसाने वाली पार्टी आज राम भक्तों के अपमान की झूठी बातें कर रही है। कांग्रेस और सपा के इस ऐतिहासिक दोगलेपन को पूरा देश देख रहा है और जनता इनका असली सच बहुत अच्छी तरह से जानती है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि रामलला के बेशकीमती हार, चरण पादुका और अन्य चढ़ावे की चोरी की निष्पक्ष जांच बहुत तेजी से चल रही है। एसआईटी की जांच टीम हर एक छोटे-बड़े पहलू को बहुत ही बारीकी से देख रही है जिससे पूरा सच जल्द ही सामने आ सके। उन्होंने कहा कि किसी को भी बिना वजह पवित्र अयोध्या को बदनाम करने या किसी निर्दोष का चरित्र हनन करने की इजाजत बिल्कुल नहीं दी जाएगी। पुलिस प्रशासन और जांच एजेंसियां अपना काम बहुत ही ईमानदारी, पारदर्शिता और पूरी सख्ती के साथ बिना किसी दबाव के कर रही हैं। सीएम योगी ने देशभर के रामभक्तों को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के महान आदर्शों की याद दिलाई और अपना संयम बनाए रखने को कहा है। उन्होंने कहा कि हमारे साहसी पूर्वजों ने इस पवित्र स्थल को वापस पाने के लिए पूरे 500 सालों तक बहुत कड़ा और लंबा संघर्ष किया है। इसलिए अब सभी लोग मात्र 15 दिन और धैर्य रखें ताकि इस मामले के असली और शातिर गुनहगारों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके।

भ्रष्ट ट्रस्ट को तुरंत भंग कर चंपत राय को भेजो जेल....

आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता, राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह ने आज राजधानी लखनऊ में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट में हुए कथित चंदा चोरी और भ्रष्टाचार को लेकर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। संजय सिंह ने ऐलान किया कि उन्होंने अयोध्या के राम जन्मभूमि थाना अध्यक्ष को राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अन्य अभियुक्तों के खिलाफ नामजद तहरीर भेजकर तत्काल एफआईआर दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। सांसद संजय सिंह ने कहा, चंदा चोरी के इस महाघोटाले से पूरा देश हैरान है। खुलासे के बाद खुलासे हो रहे हैं और भ्रष्टाचार की पोल खुलती जा रही है। प्रभु श्री राम के नाम पर आए चढ़ावे और चंदे में जो डकैती हो रही है, उसे भाजपा सरकार और उनकी जांच एजेंसियों का पूरा संरक्षण प्राप्त है।

CMYK

कलेक्टर ने अब तक नहीं दी आदिवासी भूमि विक्रय की अनुमति, भूमाफिया बेचैन

धमतरी। जिले में आदिवासी समाज सदस्यों की भूमि को पानी के मोल खरीदकर उसमें बिना अनुमति के अवैध विकास कार्य किये जाने को लेकर जिले के संवेदनशील कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आदिवासी समाज के सदस्यों की भूमि को गैर आदिवासी समाज के लोगों को बेचने के लिये अभी तक अनुमति नहीं दी है। उनके डेढ़ वर्षीय कार्यकाल में आदिवासी की भूमि, गैर आदिवासी को बेचने का ऐसे एक भी प्रकरण में आदेश पारित नहीं किया जिससे ऐसे भूमाफिया जो उपरोक्त भूमियों को खरीदकर रातोंरात मालामाल होते थे, उनकी नींद हराम हो चुकी है और अब वे कलेक्टर को प्रभावित करने के उद्देश्य से रायपुर जिले के अनेक नामचीन नेताओं से फोन करवाकर उनके इस निर्णय को शिथिल करने के प्रयास में लगे हुए हैं। अपने समाज सदस्यों की बेशकीमती भूमि को औने-पौने दाम में खरीदने के मामले को लेकर सर्व आदिवासी समाज द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर मुख्यमंत्री तक इसकी लंबी-चौड़ी शिकायत कर कुछ तत्कालीन कलेक्टरों द्वारा शासन के नियमों की अनदेखी करते हुए नियम विरूद्ध आदिवासियों की जमीन को गैर आदिवासियों को विक्रय करने की अनुमति दी है, जिसके जांच की मांग भी समाज द्वारा लगातार की जा रही है। आदिवासियों की जमीन को गैर आदिवासियों को विक्रय करने की अनुमति देने के लिये शासन का स्पष्ट दिशा निर्देश है जिसमें संबंधित आदिवासी के जमीन विक्रय के पश्चात जीविकोपार्जन के लिये 5 एकड़ सिंचित अथवा 10 एकड़ असिंचित भूमि शेष रहना आवश्यक है। लेकिन देखा गया है कि तत्कालीन कलेक्टरों ने इस आदेश का पालन नहीं करते हुए अनेक भूमाफियाओं को इसकी अनुमति दे दी है जिससे भी आदिवासी समाज में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। समाज की शिकायत पर छग शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग नवा रायपुर द्वारा एक पत्र आयुक्त रायपुर संभाग को प्रेषित करते हुए उक्त संबंध में एक माह के भीतर आवश्यक कार्यवाही कर विभाग को अवगत कराने के निर्देश दिये गये हैं। लेकिन अब तक इस पर क्या कार्यवाही हुई, इसकी कोई जानकारी नहीं मिली है। आदिवासी समाज के सदस्यों की ऐसी अनेक बेशकीमती भूमि को तत्कालीन कलेक्टर, राजस्व अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा भूमाफियाओं से मिलकर गैर आदिवासियों को विक्रय किये जाने का मामला लगातार मीडिया की सुर्खियों में बना रहा। सर्व आदिवासी समाज धमतरी जिला छग के द्वारा इसकी शिकायत पिछले वर्ष से लगातार की गई जिसमें इनके द्वारा मांग की गई थी कि भोले-भाले आदिवासियों को राशि का प्रलोभन देकर उनके कृषि भूमियों को औने-पौने दाम में भूमाफियाओं द्वारा खरीदकर उसमें विशालकाय कालोनियां बनाकर उसे लाखों रूपये में बेचा जाता है। आदिवासियों की भूमि, गैर आदिवासियों को विक्रय किये जाने का गोरखधंधा जिले में फल फूल रहा है, इस पर रोक लगाई जाये जिसे लेकर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने भी आयुक्त रायपुर संभाग को एक पत्र प्रेषित किया जिसमें इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही कर, कृत कार्यवाही से शिकायतकर्ता, आवेदक तथा इस विभाग को भी अवगत कराने की बात कही गई है। खबर के मुताबिक वर्तमान कलेक्टर मिश्रा ने किसी भी आदिवासी भूमि को, गैर आदिवासी को विक्रय किये जाने का कोई भी आदेश अब तक नहीं किया है जिससे भूमाफियाओं की नींद उड़ चुकी है और वे ऐन-केन प्रकारेण अब आदिवासियों की भूमि को गैर आदिवासी को बेचे जाने हेतु कलेक्टर कार्यालय में लंबित अनेक प्रकरणों में अनुमति दिलाये जाने हेतु रायपुर स्थित अपने आकाओं के दरबार में जाकर वहां से कलेक्टर को आदेश करने के लिये दबाव बनाया जा रहा है। सर्व आदिवासी समाज के द्वारा इस संबंध में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री सहित विभिन्न विभागों को शिकायत प्रेषित कर यह बताया गया था कि राशि के लालच में समाजजन के कुछ लोग अपनी बेशकीमती कृषि भूमि को विक्रय करने का निर्णय ले लेते हैं और कुछ लोगों ने अपनी भूमियों को भूमाफियाओं को बेचा भी है। लेकिन ऐसे आदिवासी जिन्होंने अपनी कृषि भूमि को विक्रय किया है, ऐसे लोग आज दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं क्योंकि उनके पास उक्त जमीन के अलावा जीविकोपार्जन का कोई स्त्रोत नहीं है। ऐसे लोगों ने भी समाज के समक्ष अपनी भूमि को बेचे जाने पर अफसोस जाहिर किया

। यही स्थिति दर्शाते हुए सर्व आदिवासी समाज के द्वारा एक पत्र उपरोक्त कार्यालयों में भेजकर ऐसी भूमियों को वापस दिलाये जाने की मांग की गई है। तत्कालीन कलेक्टर द्वारा जो आदेश आदिवासी भूमि को गैर आदिवासियों को विक्रय किये जाने की अनुमति प्रदान की गई है, उसमें बड़े-बड़े कालोनियां बिना अनुमति के बना दी गई है और बनाई जा रही है जो पूरी तरह नियम विरूद्ध है। सूत्रों का कहना है कि जिले के वर्तमान कलेक्टर मिश्रा को आदिवासी जमीन, गैर आदिवासियों को बिक्री हेतु अनुमति के लिये अनेक प्रकार के हथकंडे संबंधितों द्वारा अपनाये जा रहे हैं। लेकिन अपने कार्यों के प्रति दृढ़ निश्चय रखने वाले कलेक्टर के समक्ष इनकी दाल नहीं गली है। अब देखना यह है कि आने वाले दिनों में कलेक्टर मिश्रा आदिवासी भूमि विक्रय पर अनुमति देते हैं अथवा नहीं।

नेत्रहीन संगीतकारों के दल ने सुरीली प्रस्तुतियों से दर्शकों का लूटा दिल

सरायपाली। ओडिशा बरगढ़ से आए दृष्टिबाधित संगीतकारों के एक दल ने अपनी सुरीली प्रस्तुतियों से शहर के लोगों का दिल जीत लिया। नेत्रहीन कलाकारों के इस समूह ने भजन संध्या की शानदार प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। तबला, हारमोनियम और ढोलक की जुगलबंदी के साथ पेश किए गए गीतों पर श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाई। कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों ने बताया कि आंखों से न देख पाने के बावजूद इन कलाकारों की संगीत पर पकड़ और भावपूर्ण गायन प्रशंसनीय है। प्रतिनिधि से चर्चा में दल के निर्देशक लिपु जेना ने बताया कि वे 8 सदस्य हैं, जो जीवन नेत्रहीन संस्था बरगढ़ ओडिशा से यहाँ आए हुए हैं। उनका यह समूह पूरी तरह दृष्टिबाधित कलाकारों का है। साथ में सहयोगी के रूप में वाहन चालक और एक अन्य सहयोगी हैं, जो सभी तरह की व्यवस्थाओं को देखते हैं। उन्होंने बताया कि सभी कलाकार अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रम कर अपनी संस्था के लिए दान-राशि जुटाने का काम करते हैं। लोगों से मिल रहे प्यार और सहयोग से उनका हौसला बढ़ता है। इस संगीत दल में निर्देशक जेना ढोलक वादन करते हैं, जबकि गायक-बैंड मास्टर कृष्णा कुमार, केसियो हरिओम, महिला कलाकारों में लक्ष्मी व रोहिनी तथा सहयोगियों में वाहन चालक सावन एवं जितेन्द्र शामिल हैं। इन सभी के सामूहिक प्रयास से शहर के राम मँदिर के पास आयोजित भजन संध्या कार्यक्रम का शहर वासियों ने भरपूर आनंद उठाया। साथ ही आकर्षक प्रस्तुति को देखकर मार्ग से गुजरने वाले राहगीर भी कौतूहलवश कार्यक्रम को देखने व सुनने के रूकते रहे।

थाना कुरूद में पदस्थ आरक्षक पवन बर्मन को एसपी ने सस्पेंड कर लाइन अटैच किया

मरौद टोल प्लाजा पर ट्रक ड्राइवर से मारपीट का मामला

धमतरी। पुलिस अधीक्षक धमतरी सूरज सिंह परिहार द्वारा समय-समय पर समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यह स्पष्ट निर्देश एवं हिदायत दी जाती रही है कि पुलिस विभाग की छवि एवं आमजन के विश्वास को प्रभावित करने वाला कोई भी कृत्य किसी भी परिस्थिति में नहीं किया जाए। इसी क्रम में थाना प्रभारी कुरूद द्वारा पुलिस अधीक्षक धमतरी को प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया कि थाना कुरूद में पदस्थ आरक्षक पवन बर्मन द्वारा मरौद टोल प्लाजा के पास एक ट्रक चालक के साथ अनुचित व्यवहार एवं मारपीट किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। साथ ही संबंधित आरक्षक अपने ड्यूटी स्थल से भी अनुपस्थित पाया गया। उक्त कृत्य प्रथम दृष्टया पुलिस विभाग की गरिमा, अनुशासन एवं सेवा आचरण नियमों के विपरीत पाए जाने पर पुलिस अधीक्षक धमतरी सूरज सिंह परिहार ने मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए आरक्षक पवन बर्मन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर पुलिस लाइन रूद्री अटैच कर दिया है तथा पूरे प्रकरण की प्राथमिक जांच के आदेश जारी किए हैं। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के उपरांत तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

बढ़ते बिजली बिल के विरोध में एनएसयूआई ने किया पावर हाउस का घेराव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का किया पुतला दहन

धमतरी। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई धमतरी इकाई के नेतृत्व में प्रदेश में लगातार बढ़ते बिजली बिलों के विरोध में धमतरी पावर हाउस विद्युत विभाग का घेराव किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का पुतला भी दहन किया गया।

इस प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन लालवानी, शहर ब्लॉक अध्यक्ष गौतम वाधवानी, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र सोनवानी सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता शामिल रहे। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर एवं पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन लालवानी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद बिजली बिलों में भारी बढ़ोतरी की गई है। औसतन 25 से 40 प्रतिशत तक बिजली दरें बढ़ाई गई हैं, जिससे आम जनता, किसान और छोटे व्यापारी बेहद परेशान हैं। कई घरों में बिजली बिल दोगुना से भी अधिक हो गया है, जबकि बिजली की सप्लाई अभी भी अनियमित और खराब बनी हुई है। सरकार की इस लूट नीति के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के लिए महंगे बिल चुकाने पड़ रहे हैं और छोटे उद्योग धंधे बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस शासन के दौरान बिजली सस्ती और विश्वसनीय थी। लेकिन वर्तमान सरकार ने बिजली को आम जनता की पहुंच से दूर कर दिया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही बिजली बिलों में कमी नहीं की गई। किसानों को मुफ्त बिजली नहीं दी गई और बिजली व्यवस्था को सुधारा नहीं गया तो एनएसयूआई हर स्तर पर बड़ा आंदोलन छेड़ेगा। कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में मांग की कि सरकार तुरंत बिजली दरों में कटौती करेए बिजली की नियमित और गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति सुनिश्चित करे तथा किसान और आम उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करे। प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हुआए लेकिन एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट कर दिया कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। इस दौरान पारसमणि साहू, जय श्रीवास्तव, गौरव दास, विनय गंगबेर, तेज प्रकाश साहू, यश चंद्राकर, जगेन्द्र साहू, संजू साहू, रोशन वन्दे, उमेश साहू, इंदर साहू, सोहिल साहू, नोमेश सिन्हा, शाहिल अहमद, मोनू सिन्हा, सुदीप सिन्हा, प्रीतम सिन्हा, सुनील सिन्हा, रोहित जगत, मयंक ध्रुव, प्रीतम ध्रुव सहित दर्जनों एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्व एवं जिला प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने प्राकृतिक खेती को बताया स्वस्थ

संबलपुर में आयोजित कृषि मेला में किसानों को किया गया जागरूक

धमतरी। जिले के संबलपुर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के समीप आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं कृषि मेला में राजस्व एवं जिला प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती केवल कृषि पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज, सुरक्षित पर्यावरण और आत्मनिर्भर किसान की आधारशिला है। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ें, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति संरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ खाद्यान्न उपलब्ध हो सके। प्रभारी मंत्री वर्मा ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और गांव इसकी आत्मा है। पूर्व में कृषि व्यवस्था प्रकृति और पशुधन आधारित थी, जिससे उत्पादन के साथ.साथ स्वास्थ्य और पर्यावरण का संतुलन भी बना रहता था। उन्होंने कहा कि आज बढ़ते रासायनिक उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है तथा अनेक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां सामने आ रही हैं। ऐसे समय में प्राकृतिक खेती की ओर लौटना समय की आवश्यकता है। मंत्री वर्मा ने किसानों को कृषि उपकरण सहित बीज मिनीकिट पौधे वितरित किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ानेए कृषि को लाभकारी बनाने तथा टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। किसान सम्मान निधि सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार भी किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है तथा कृषि को अधिक समृद्ध और टिकाऊ बनाने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर आमदी में सरस्वती शिशु मँदिर भवन निर्माण हेतु 10 लाख रुपये तथा संबलपुर में किसानों के लिए किसान कुटी निर्माण हेतु 10 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को किसानों को प्राकृतिक खेतीए जैविक खाद निर्माण तथा उन्नत कृषि तकनीकों के संबंध में सतत मार्गदर्शन प्रदान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ प्रेम साहू ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा पिछले तीन वर्षों से प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं पर शोध एवं प्रदर्शन कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती में गौ आधारित कृषि प्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका है। गाय से प्राप्त गोबर एवं गोमूत्र का उपयोग कर तैयार जैविक उत्पाद मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं तथा खेती की लागत को कम करते हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से कम लागत में गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। वर्तमान समय में भूमि की घटती गुणवत्ता और बढ़ती उत्पादन लागत को देखते हुए प्राकृतिक खेती एक प्रभावी विकल्प के रूप में उभर रही है। उप संचालक कृषि मोनेश साहू ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि जिले में एक जून से 30 जून तक खेत बचाओ अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोगए मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा हरित खाद के महत्व की जानकारी दी जा रही है। अभियान के तहत किसानों को हरित खाद एवं दलहनी फसलों के बीजों के उपयोग के संबंध में भी जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, जनपद पंचायत अध्यक्ष अंगीरा ध्रुव, लक्ष्मी साहू, बालाराम साहू, वरिष्ठ कृषक एवं कृषि विशेषज्ञ प्रताप राव कृदत्त, किसान नेता ठाकुर राम वर्मा, शशि पवार सहित कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष रोहिताश मिश्रा ने किसानों को प्राकृतिक, विषमुक्त एवं जहरमुक्त खेती अपनाने की शपथ दिलाई। कृषि विशेषज्ञों द्वारा प्राकृतिक खेती की तकनीकों, जैविक खाद निर्माण, जीवामृत एवं बीजामृत के उपयोग तथा कृषि लागत में कमी लाने के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए राधाकृष्ण भवन में विशेष प्रशिक्षण

धमतरी। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी है। धमतरी में क्रीड़ा भारती संस्था के द्वारा विशेष रूप से योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शहर के प्रसिद्ध राधाकृष्ण भवन में योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में लोग योग का अभ्यास कर रहे है। इनमें अलग अलग संगठनों के लोग भी शामिल है, जो 21 जून को सामूहिक योग करेंगे। इस ट्रेनिंग सेशन में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। धर्म प्रेमी, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और क्रीड़ा भारती के संरक्षक पं.राजेश शर्मा ने कहा कि ईश्वर में मनुष्य के शरीर में जो क्षमताएं दी है, उन्हें सिर्फ योग के द्वारा ही चरम तक ले जाया जा सकता है। पं.राजेश ने कहा कि मानव मस्तिष्क की तरंगों तक को सिर्फ योग से नियंत्रित किया जा सकता है। ये अदभुत है कि मस्तिष्क में न्यूरॉन्स के अंदर इलेक्ट्रान फ्लो को बिना किसी मशीन के कंट्रोल कर लिया जाये, योग से ये संभव है। मॉडर्न मेडिकल साइंस इस रहस्य को पूरा नही समझ सका है। महर्षि पतंजलि ने 3000 साल पहले ही खोज लिया था। इस महान बायो अल्ट्रा साइंस को 2015 में पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाई। पूरी दुनिया मे योग के कारण भारत का मान बढ़ा है। इस कार्यक्रम में क्रीड़ा भारती के अध्यक्ष लक्ष्मण साहू, टिक्की निर्मलकार, पंडित ननकू महाराज, आयुर्वेद एवं योग चिकित्सक डॉ दिनेश कुमार नाग, योग प्रशिक्षक उमराव साहू, उत्तरा सिंह गौतम, संतोषी निम्बाडकर, पूजा नाग, नरेश नाग, ममता राजपूत, डॉली यादव, डेमिन साहू, तिलक ध्रुव, निकिता धर्मगुडी, उमेंद्र भारद्वाज, अहिल्या साहू आदि उपस्थित थे।

दूरस्थ अंचलों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं पर केंद्रित है मोदी सरकार : रंजना साहू

धमतरी। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे विशेष जनसंवाद एवं जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने गंगरेल मंडल के डुबान क्षेत्र के ग्राम अकलाडोंगरी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पीएम जनमन प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान के अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल बस यूनिट का निरीक्षण कर ग्रामीणों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिए। रंजना साहू ने मोबाइल चिकित्सा इकाई में उपस्थित ग्रामीणों एवं मरीजों से चर्चा कर उनके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और उपचार की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने उपचाराधीन महिलाओं एवं बच्चों से चर्चा करते हुए उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली तथा डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से दवाइयों की उपलब्धता जांच सुविधाओं और नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन के संबंध में विस्तार से चर्चा किए। इस अवसर पर रंजना साहू ने कहा कि केंद्र सरकार अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है, विशेष रूप से जनजातीय एवं दूरस्थ अंचल के क्षेत्रों में निवास करने वाले परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से मोबाइल चिकित्सा इकाइयों का संचालन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को गांव के समीप ही उपचार एवं आवश्यक दवाइयों की सुविधा प्राप्त हो रही है। रंजना साहू ने उपस्थित डॉक्टरों एवं स्टाफको ग्रामीणों के प्रति संवेदनशीलता एवं सेवा भाव के साथ कार्य करने तथा सभी आवश्यक दवाइयों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के सुशासन और जनकल्याणकारी सोच का प्रतिफल है। इस दौरान किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिग्विजय सिंह कृदत्त, मंडल महामंत्री चंद्रहास जैन, मण्डल उपाध्यक्ष अहमद अली, जोहर साहू सहित अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खाद संकट: किसानों का फूटा गुस्सा, मंगलवार से धरना : मोक्ष प्रधान

भंवरपुर। बसना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामीण सेवा सहकारी समिति पथरला की पिरदा शाखा में किसानों को समय पर खाद नहीं मिलने से आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। खाद की समुचित उपलब्धता और वितरण नहीं होने के कारण सोमवार को सैकड़ों किसान बसना विधानसभा के सक्रिय कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान तथा मंडल कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष चम्पकलाल चौहान के नेतृत्व में समिति पहुंचे और अपनी नाराजगी जाहिर की। किसानों ने आरोप लगाया कि खरीफ सीजन के महत्वपूर्ण समय में डीएपी एवं अन्य उर्वरकों की कमी के कारण खेती-किसानी का कार्य प्रभावित हो रहा है। रोजाना किसान समिति के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन खाद नहीं मिलने से उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है।

इससे किसानों में भारी असंतोष व्याप्त है। निरीक्षण के दौरान समिति प्रभारी ने बताया कि डिस्पैच नंबर जारी नहीं होने के कारण खाद वितरण प्रभावित हुआ है। इस संबंध में बैंक प्रबंधक से मोबाइल पर चर्चा की गई, जिसमें आश्वासन दिया गया कि सोमवार को खाद का वितरण शुरू कर दिया जाएगा। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि प्रदेश का अन्नदाता खाद के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं दिख रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सोमवार तक खाद वितरण शुरू नहीं हुआ तो मंगलवार सुबह से किसानों के साथ समिति के सामने अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और समिति प्रबंधन की होगी। मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि किसान खेती के सबसे महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं और ऐसे समय में खाद की कमी किसानों के साथ अन्याय है। कांग्रेस पार्टी किसानों के अधिकारों और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उमाकांत प्रधान, हेतुराम गहिर, चतुर्भुज चेरकिया, नेताचंद प्रधान, पदमन प्रधान, सोहन चौहान, रजशन प्रधान, रिखीराम सोम, नित्यानंद गढ़तिया, तिहारू निराला, भारत भोई, गणपत सिदार, ललित सिदार, दुर्लभ चौधरी, शाखाराम निराला, सुधाराम निराला, मंगलदास कोसरिया, पंकज प्रधान, रानी बंजारा, कुंती पटेल, दूरपती बंजारा, पुष्पा निराला, अनुपमा साहू, सीता बंजारा, सोहद्रा सिदार, सिया बाई बंजारा, फूलमोती सिदार सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे। खाद दो या जवाब दो के नारों के साथ किसानों ने स्पष्ट कर दिया कि अब वे अपने अधिकारों के लिए आर-पार की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। किसानों ने प्रशासन से तत्काल खाद उपलब्ध कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 को होगा योग भवन में योग महोत्सव

महासमुंद। स्वामी शिवानंद सरस्वती योग भवन शाखा महासमुंद में 21 जून को प्रातःकाल 6:30 बजे से 7:30 बजे तक योग महोत्सव में योगासन व प्राणायाम का कार्यक्रम स्वामी विद्यानंद सरस्वती डोंगरगढ़ वाले के सानिध्य में रखा गया है। दिव्य जीवन संघ के अध्यक्ष दौलत चन्द्राकर ने कहा हैं कि नगरवासी अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर , इस योग दिवस का हिस्सा बने व योग को जीवन का हिस्सा बनाएं। उक्ताशय की जानकारी दिव्य जीवन संघ तारेंद्र चन्द्राकर ने दी।

ग्राम पंचायतों में 24 जून को होगी ग्राम सभा, रोजगार, आवास, सहित अन्य विषयों पर होगी चर्चा

सरायपाली। ग्रामीण विकास और जनभागीदारी को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में आगामी 24 जून को ग्राम सभा आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार आयोजित होने वाली इन ग्राम सभाओं में आवास प्लस 2.0 की स्थायी प्रतीक्षा सूची, पंचायतों की वित्तीय स्थिति, रोजगार, आजीविका, विकास कार्यों की प्रगति और अन्य जनहित के विषयों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। ग्राम सभाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण से प्राप्त सिस्टम जनरेटेड स्थायी प्रतीक्षा सूची (पीडब्ल्यूएल) का वाचन एवं अवलोकन किया जाएगा। इसके बाद शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार पात्र हितग्राहियों की प्राथमिकता सूची तैयार की जाएगी। ग्रामीणों से प्राप्त दावे और आपत्तियों का नियमानुसार परीक्षण कर उनका निराकरण किया जाएगा। ग्राम सभा से अनुमोदन मिलने के बाद अंतिम सूची को आवास सॉफ्टवेयर में अपलोड किया जाएगा, जिससे पात्र परिवारों को आवास योजना का लाभ मिल सके। इसके अलावा ग्राम सभा में पिछली बैठकों में लिए गए निर्णयों की समीक्षा भी की जाएगी। साथ ही पंचायतों के आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत कर उसका अनुमोदन कराया जाएगा। विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट पर भी चर्चा होगी।

ताकि ग्रामीणों को पंचायत स्तर पर हो रहे विकास कार्यों की जानकारी मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

मोदी सरकार छत्तीसगढ़ के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध : किरण देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने केंद्र सरकार द्वारा चाँपा-कोरबा तीसरी रेल लाइन परियोजना के लिए 755 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। श्री देव ने इस सौगात के लिए छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त कर कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर (बुनियादी ढाँचे) को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। चाँपा-कोरबा रेल मार्ग छत्तीसगढ़ के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण रेल खण्डों में से एक है। इस मार्ग पर तीसरी लाइन के निर्माण से क्षेत्र के विकास को एक नई दिशा मिलेगी।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि कोरबा छत्तीसगढ़ की ऊर्जा और औद्योगिक राजधानी है। तीसरी रेल लाइन बनने से कोयले, बिजली उत्पादन सामग्री और अन्य भारी उद्योगों के कच्चे माल का परिवहन बेहद आसान हो जाएगा। इससे उद्योगों की क्षमता बढ़ेगी और नए निवेश के रास्ते खुलेंगे। वर्तमान में इस रूट पर मालगाड़ियों के भारी दबाव के कारण यात्री ट्रेनों की रफ्तार प्रभावित होती है। तीसरी लाइन बनने से ट्रेनों के परिचालन में सुगमता आएगी, नई यात्री ट्रेनें शुरू करने का मार्ग प्रशस्त होगा और यात्रियों को समय की पाबंदी व आरामदायक सफर की सुविधा मिलेगी। इस परियोजना से माल ढुलाई और यात्री परिवहन की क्षमता दोगुनी हो जाएगी। ट्रेनों को आउटर पर रुकने की समस्या से मुक्ति मिलेगी, जिससे परिवहन में लगने वाले समय और लागत में भारी कमी आएगी। श्री देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार होने का लाभ प्रदेश की जनता को हर क्षेत्र में मिल रहा है। केंद्र सरकार का यह निर्णय छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर और विकसित राज्य बनाने के संकल्प को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा।

पारिवारिक विवाद में दोहरा हत्याकांड: देवर ने भाभी और भतीजी की चाकू मारकर की हत्या

रायपुर। जिले के दाढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घोरेघाट में बीती रात हुए दोहरे हत्याकांड से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पारिवारिक विवाद के चलते एक व्यक्ति ने अपनी भाभी और भतीजी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर उनकी हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में दहशत और शोक का माहौल है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी हेमलाल आदिल का परिवार के सदस्यों के साथ किसी बात को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के बीच उसने अपनी भाभी और भतीजी पर धारदार चाकू से हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दाढ़ी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी हेमलाल आदिल को हिरासत में ले लिया है। मामले में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं तथा हत्या के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि वह पूर्व में हत्या के एक मामले में लगभग 10 वर्ष की सजा काट चुका है। जेल से रिहा होने के बाद उसने एक बार फिर पारिवारिक विवाद के चलते इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। पुलिस आरोपी से लगातार पूछताछ कर रही है और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद घटना से जुड़े सभी तथ्यों का खुलासा किया जाएगा। इस दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। एक ही परिवार की दो महिलाओं की हत्या से गांव में मातम पसरा हुआ है, वहीं लोग इस वारदात को लेकर स्तब्ध हैं।

अवैध स्क्रैप एवं प्रयुक्त बैटरियों के कारोबार पर सख्ती, पर्यावरण मंडल ने दी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने राज्य में अवैध रूप से स्क्रैप एवं प्रयुक्त बैटरियों के संग्रहण, भंडारण, परिवहन, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) तथा व्यापार में संलिप्त व्यक्तियों एवं संस्थाओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। मंडल ने सभी व्यापारियों, कबाड़ संचालकों, स्क्रैप डीलरों, परिवहनकर्ताओं तथा बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े हितधारकों को निर्देशित किया है कि वे अपना संचालन केवल बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 022 एवं अन्य प्रचलित वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप ही करें।मंडल के संज्ञान में आया है कि राज्य के कुछ क्षेत्रों में बिना आवश्यक पंजीयन, प्राधिकार एवं वैध दस्तावेजों के प्रयुक्त एवं स्क्रैप बैटरियों का संग्रहण, भंडारण, परिवहन तथा क्रय-विक्रय किया जा रहा है। मंडल ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की गतिविधियां पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं तथा पर्यावरणीय कानूनों का उल्लंघन हैं।मंडल ने बताया कि बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2022 के तहत प्रयुक्त एवं अपशिष्ट बैटरियों का संग्रहण, भंडारण, परिवहन तथा व्यापार केवल विधिवत पंजीकृत एवं अधिकृत संस्थाओं द्वारा ही किया जा सकता है।

मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं भगवान महावीर के विचार

अहिंसा,करुणा,सत्य के संदेश की आज विश्व को आवश्यकता

■ मुख्यमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ने आचार्य पदारोहण एवं सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव में जैन मुनियों का लिया आशीर्वाद

रायपुर/ संवाददाता

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित आचार्य पदारोहण एवं सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव में शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने जैन मुनियों का आशीर्वाद प्राप्त कर आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हो रहे पूज्य विनयकुशल मुनि जी महाराज को नमन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि आचार्य पद केवल एक पद नहीं, बल्कि तप, त्याग, ज्ञान और समाज को दिशा देने वाली साधना का सर्वोच्च प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर और जैन दर्शन के सिद्धांत आज भी मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं। वर्तमान समय में जब विश्व तनाव और संघर्षों से जूझ रहा है, तब जैन दर्शन की शिक्षाएं और अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। श्री बिरला ने कहा कि पूज्य विनयकुशल मुनि जी महाराज का आचार्य पदारोहण संपूर्ण जैन समाज के लिए गौरव का क्षण है। वहीं शतावधानी हंसभद्र मुनि जी महाराज ने अपनी विलक्षण स्मरणशक्ति, ज्ञान और साधना के बल पर देशभर में विशेष पहचान बनाई है। उनके तप और साधना से समाज को नई दिशा मिल रही है। उन्होंने कहा कि भौतिक संसाधन केवल सुविधाएं प्रदान कर सकते हैं, लेकिन जीवन का वास्तविक सुख आत्मनियंत्रण, आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक साधना से प्राप्त होता है। जैन संतों का तपस्वी जीवन समाज को प्रेरणा देता है और मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने सभी जैन संतों, साध्वियों और श्रद्धालुओं

को नमन करते हुए महोत्सव के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर पहली बार आयोजित हो रहा यह आचार्य पदारोहण महोत्सव प्रदेश के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा, साधना और संस्कृति का यह विराट आयोजन पूरे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अवसर बन गया है। मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों से आए संत-साध्वियों, श्रद्धालुओं एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ धन्य हुआ है और इस आयोजन से पूरे प्रदेश में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूज्य विनयकुशल मुनि जी महाराज का आचार्य पद पर पदारोहण उनके ज्ञान, तप, संयम, साधना और समाज के प्रति समर्पित जीवन का सम्मान है। उन्होंने 14 वर्षीय बाल मुनि शतावधानी हंसभद्रमुनि जी महाराज को भी नमन करते हुए कहा कि इतनी कम आयु में उनकी अद्भुत स्मरणशक्ति, एकाग्रता और ज्ञान-साधना सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। एक साथ हजार प्रश्नों को स्मरण रखना और उनका क्रमवार उत्तर देना असाधारण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज रायपुर का यह इंडोर स्टेडियम ज्ञान, साधना और अध्यात्म का तीर्थस्थल प्रतीत हो रहा है। जैन संतों ने सदैव अहिंसा, करुणा, सत्य और आत्मसंयम का संदेश दिया है, जिसकी आज पूरे विश्व को आवश्यकता है। भगवान महावीर स्वामी का 'जियो और जीने दो' का संदेश वर्तमान समय में और अधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक परंपराओं की भूमि है तथा राज्य सरकार सर्वधर्म समभाव की भावना के साथ सभी वर्गों के कल्याण और प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जैन मुनिगण कठिन तप, उपवास और संयम के माध्यम से समाज को प्रेरणा देते हैं।

छत्तीसगढ़ के विकास और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगी नई शक्ति

रायपुर। संवाददाता

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत चांपा-कोरबा तीसरी रेल लाइन परियोजना को 755 करोड़ की स्वीकृति मिलने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति प्रदेशवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने इसे छत्तीसगढ़ के विकास, औद्योगिक प्रगति और देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में रेल अधोसंरचना का लगातार विस्तार हो रहा है। चांपा-कोरबा रेल खंड कोयला परिवहन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह क्षेत्र South Eastern Coalfields Limited तथा Mahanadi Coalfields Limited की खदानों को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ता है। तीसरी रेल लाइन बनने से कोयला परिवहन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था और मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिरिक्त रेल लाइन उपलब्ध होने से ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुचारु होगी, परिचालन संबंधी बाधाएं कम होंगी और भविष्य में नई यात्री ट्रेनों के संचालन का मार्ग भी प्रशस्त होगा। इससे आम यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर रेल सेवाएं मिल सकेंगी। मुख्यमंत्री के अनुसार यह परियोजना केवल कोयला परिवहन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी व्यापक लाभ मिलेगा। बेहतर रेल संपर्क से उद्योगों को मजबूती मिलेगी, निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी, व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार होगा तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे कोरबा, जांजगीर-चांपा और आसपास के क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को रेलवे क्षेत्र में अभूतपूर्व प्राथमिकता मिली है। प्रदेश में वर्तमान में 51 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली रेल परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

आमाबेड़ा पुलिस की कार्रवाई: अवैध अंग्रेजी शराब के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

रायपुर। उत्तर बस्तर कांकेर जिले में संचालित उजियारा अभियान के तहत आमाबेड़ा पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 15 केन अंग्रेजी बीयर बरामद की है, जिसकी कुल मात्रा 7 लीटर 500 मिलीलीटर और अनुमानित कीमत 3,750 रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतागढ़ आशीष बंछौर के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी अंतागढ़ शुभम तिवारी के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को 16 जून को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम गेड़गांव रोड़पारा निवासी हरेश नाग अपने घर में बिक्री के उद्देश्य से अवैध रूप से अंग्रेजी शराब संग्रहित कर रखा है।

किसानों का बढ़ा भरोसा

नैनो उर्वरकों से सब्जी उत्पादन में मिल रहे बेहतर परिणाम.......

■ कम लागत, बेहतर पोषण और अधिक उत्पादन से आधुनिक खेती को मिल रही नई दिशा

रायपुर/ संवाददाता

कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों और नवाचार आधारित उर्वरकों के उपयोग से किसानों को खेती अधिक लाभकारी बनाने में मदद मिल रही है। नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी जैसे उन्नत उर्वरक किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। कम मात्रा में अधिक

प्रभावी परिणाम देने वाले ये उर्वरक फसलों को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने के साथ-साथ खेती की लागत कम करने और मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध हो रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में किसान नैनो उर्वरकों का उपयोग कर सकारात्मक परिणाम प्राप्त कर रहे हैं। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम जगदीशपुर निवासी कृषक श्री प्रेमनाथ ने सब्जी फसलों में नैनो उर्वरकों के सफल उपयोग का अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया कि भिंडी, लौकी, खीरा सहित विभिन्न सब्जी फसलों में नैनो उर्वरकों के छिड़काव से फसलों की वृद्धि एवं उत्पादन में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। कृषक प्रेमनाथ के अनुसार नैनो उर्वरक बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं और इनका उपयोग भी सरल है। पानी के साथ घोल बनाकर छिड़काव करने से पोषक तत्व सीधे पत्तियों के माध्यम से पौधों तक पहुंचते हैं, जिससे उनकी उपयोग दक्षता बढ़ जाती है।

राज्य नीति आयोग और यूनिसेफ के बीच उच्चस्तरीय बैठक संपन्न

■ विकसित छत्तीसगढ़ एवं बस्तर अंजोर को मिला अंतरराष्ट्रीय समर्थन

रायपुर/ संवाददाता

राज्य नीति आयोग, छत्तीसगढ़ के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा से आज यूनिसेफ इंडिया के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने नीति भवन नवा रायपुर में सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व यूनिसेफ इंडिया की फील्ड सेवा प्रमुख सुसोलेदाद हेरेरो ने किया। इस अवसर पर यूनिसेफ छत्तीसगढ़ फील्ड कार्यालय की प्रमुख श्रीमती सीमा कुमार एवं सामाजिक नीति प्रमुख डॉ. बाल परितोष दाश भी उपस्थित रहे। बैठक में विकसित छत्तीसगढ़ प्रगति फ्रेमवर्क, बाल कल्याण सूचकांक, बच्चों के लिए सार्वजनिक वित्त, सामुदायिक जागरूकता एवं सामाजिक व्यवहार परिवर्तन और बस्तर अंजोर कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष मिश्रा ने स्पष्ट किया कि विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना में बच्चे केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि राज्य के विकास की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि जब तक राज्य के प्रत्येक बच्चे को स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और संरक्षण सुनिश्चित नहीं होता, तब तक विकसित छत्तीसगढ़ का लक्ष्य अधूरा है। राज्य नीति आयोग ने विकसित छत्तीसगढ़ प्रगति फ्रेमवर्क के अंतर्गत 50 से अधिक विभागों के लिए प्रमुख प्रदर्शन संकेतक विकसित किए हैं, जिसमें बाल कल्याण को एक स्वतंत्र एवं समर्पित विषयक्षेत्र के रूप में सम्मिलित किया गया है। राज्य नीति आयोग एवं यूनिसेफ के संयुक्त प्रयास से स्थापित विकसित छत्तीसगढ़ सामाजिक नीति सहयोग इकाई राज्य में साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण संस्थागत पहल है। यह इकाई विकसित छत्तीसगढ़ प्रगति फ्रेमवर्क, बाल कल्याण सूचकांक, बच्चों के लिए बजट विश्लेषण और सामाजिक संरक्षण को सुदृढ़ करने के लिए राज्य के विभागों को निरंतर तकनीकी सहयोग प्रदान करती है। बैठक में इस इकाई के कार्यों की सराहना की गई और इसे और अधिक सशक्त बनाने पर सहमति व्यक्त की गई। राज्य नीति आयोग देश में पहली बार एक राज्य-विशिष्ट बाल कल्याण मापन पद्धति एवं बाल वंचना सूचकांक विकसित करेगा।

मानसून की रफ्तार धीमी, अभी तक बस्तर नहीं पहुंचा राजधानी पहुंचने देरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून का इंतजार अब लंबा और उलझन भरा होता जा रहा है। पिछले 10 दिनों से मौसम विभाग लगातार दावा कर रहा था कि प्रदेश में अगले दो-तीन दिनों में मानसून प्रवेश कर सकता है, लेकिन सोमवार को जारी बुलेटिन ने सभी को चौंका दिया। विभाग ने मानसून आगमन की संभावित तारीख का उल्लेख ही हटा दिया। रविवार के बुलेटिन में मानसून के अगले 4-5 दिनों में प्रदेश पहुंचने की संभावना जताई गई थी, लेकिन सोमवार को यह पूर्वानुमान गायब हो गया। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि मानसून की रफ्तार उम्मीद से धीमी है और मौसम विभाग भी इसके आगमन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि मानसून अभी तक बस्तर संभाग नहीं पहुंचा है। ऐसे में राजधानी रायपुर समेत मध्य छत्तीसगढ़ में इसके पहुंचने में और देरी हो सकती है। प्रदेश के कई हिस्सों में प्री-मानसून बारिश और गरज-चमक का दौर जारी है, लेकिन इससे गर्मी और उमस से खास राहत नहीं मिल रही। राजधानी रायपुर में 11 जून के बाद कोई उल्लेखनीय बारिश नहीं हुई है। बीती रात कुछ इलाकों में बूंदाबांदी जरूर हुई, लेकिन गर्मी का असर बरकरार रहा। मौसम विभाग के अनुसार दो द्रोणिकाओं के प्रभाव से प्रदेश में बादल छाए रहेंगे।

फोटो प्रदर्शनी के दूसरे दिन विद्यार्थियों और आमजनों ने दिखाई उत्साहपूर्ण भागीदारी

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क विभाग द्वारा जशपुरनगर के जुदेव चौक में आयोजित तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी के दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों, किसानों एवं आम नागरिकों ने पहुंचकर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में किए गए प्रयासों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के छात्र-छात्राएं अपने शिक्षकों के साथ प्रदर्शनी स्थल पहुंचे और विभिन्न छायाचित्रों, सूचना पटलों तथा योजनाओं से संबंधित जानकारियों का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी स्थल पर स्थापित एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रसारित विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं शासन की उपलब्धियों पर आधारित वृत्तचित्रों को भी रुचिपूर्वक देखा। कक्षा आठवीं की छात्रा इंद्रमणि सिंह ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों और जनकल्याणकारी पहलों को जानने का अवसर मिला। वहीं कक्षा सातवीं की छात्रा सविता साय ने कहा कि प्रदर्शनी से उन्हें विभिन्न योजनाओं एवं राष्ट्रीय उपलब्धियों के बारे में नई और प्रेरणादायक जानकारी प्राप्त हुई। शिक्षकों ने भी प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को देश के विकास, शासन की योजनाओं और राष्ट्रीय उपलब्धियों से परिचित कराने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में उपलब्ध जानकारी विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन में सहायक सिद्ध होगी। प्रदर्शनी में नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों, किसानों, ग्रामीणों और आम नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की। आगंतुकों ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, डिजिटल इंडिया अभियान, जनधन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से शासन की योजनाओं और आमजन के हित में किए जा रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई है। जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रदर्शनी स्थल पर आगंतुकों को 'जनमन' पत्रिका, 'सुशासन के नवीन आयाम' सहित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री का नि:शुल्क वितरण भी किया गया। इन प्रकाशनों के माध्यम से लोगों को शासन की योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी प्रदान की जा रही है।

प्रशासन की कड़ी निगरानी से कालाबाजारी पर रोक

10 हजार से अधिक किसानों को 37.79 करोड़ रुपये का कृषि ऋण वितरित.......

■ 44 सहकारी समितियों में 9,285 मीट्रिक टन उर्वरक और 6,836 क्विंटल बीज का भंडारण

रायपुर/ संवाददाता

खरीफ सीजन के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए जशपुर जिले में खाद, बीज एवं कृषि ऋण की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कृषि एवं सहकारिता विभाग के समन्वित प्रयासों से जिले की आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों में कृषि आदानों का पर्याप्त भंडारण किया गया है। साथ ही कालाबाजारी, जमाखोरी और

उर्वरकों के अवैध विक्रय पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। उप संचालक कृषि श्री एम.आर. भगत ने बताया कि किसानों को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की अनुशंसाओं के अनुरूप उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, हरी खाद और जैविक विकल्पों को अपनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है, जिससे भूमि की उर्वरता बनी रहे और उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो सके। विभागीय अमला गांव-गांव पहुंचकर किसानों को वैज्ञानिक खेती और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन संबंधी जानकारी भी दे रहा है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले में सहकारी समितियों की संख्या 24 से बढ़ाकर 44 कर दी गई है। इससे किसानों को खाद एवं बीज प्राप्त करने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ रही है और समय तथा परिवहन व्यय दोनों में कमी आई है। वर्तमान में जिले की 44 सहकारी समितियों में 9,285 मीट्रिक टन विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों का भंडारण किया गया है। इनमें से 3,681 मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किसानों को किया जा चुका है। इसी प्रकार 6,836 क्विंटल धान बीज का भंडारण किया गया है, जिसमें से 1,872 क्विंटल बीज किसानों तक पहुंचाया जा चुका है।

संपादकीय

अंधविश्वास की जड़ों तक पहुंचे बिना नहीं रुकेगी जादू-टोने के भ्रम वाली हिंसा

कुछ दिन पहले ओड़िशा के संबलपुर जिले में साठ साल की एक महिला और उसकी बेटी की सिर्फ इसलिए कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई कि उन पर कुछ लोगों को जादू-टोना करने का संदेह था।जिस दौर में देश की अर्थव्यवस्था की चमकती तस्वीर दुनिया के सामने पेश की जा रही हो, उसी बीच आए दिन जब महज अंधविश्वास की वजह से निर्दोष लोगों की हत्या की घटनाएं भी हो रही हों, तो यह अपने आप में विकास की मौजूदा परिभाषा पर एक सवालिया निशान है।कुछ दिन पहले ओड़िशा के संबलपुर जिले में साठ साल की एक महिला और उसकी बेटी की सिर्फ इसलिए कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई कि उन पर कुछ लोगों को जादू-टोना करने का संदेह था। यह कोई पहली या अकेली घटना नहीं है, जिसमें सिर्फ अंधविश्वास के कारण निर्दोष महिलाओं की हत्या कर दी गई।झारखंड और ओड़िशा सहित देश के अन्य इलाकों से भी डायन या जादू-टोना के अंधविश्वास की वजह से आदिवासी या कमजोर तबकों की महिलाओं को यातना देने से लेकर उनकी हत्या कर देने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। सरकारें मौजूदा कानूनी प्रक्रिया के तहत हत्या के आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करती हैं, लेकिन उसका असर इतना नगण्य है कि कुछ दिनों बाद फिर डायन या जादू-टोना के नाम पर हत्या की कोई अन्य घटना सामने आ जाती है।यह सोचने की जरूरत है कि विकास के दावों के बीच अंधविश्वास की जड़ें इतनी गहरी क्यों हैं। विकास की चकाचौंध के पीछे भारतीय समाज की इस स्याह तस्वीर को हम क्यों नहीं देख पा रहे हैं। एक तरफ हम आधुनिकता के दंभ में जीते हैं, तो दूसरी तरफ समाज का एक वर्ग ऐसा भी है, जिसमें मनुष्यता का बोध नहीं।वह बेगुनाह लोगों की हत्या होते देखता है। दूसरी ओर, यह समझना मुश्किल है कि देश के दूरदराज इलाकों में सरकारें आधुनिक तकनीकी संसाधन और सुविधाएं पहुंचाने में कोई कोताही नहीं करतीं, लेकिन लोगों के बीच ऐसी सामान्य चेतना और समझ का विस्तार नहीं कर पातीं कि जादू-टोना और डायन जैसी धारणाएं महज अंधविश्वास हैं और यह किसी भी समाज के पिछड़े रह जाने के सबसे बड़े कारकों में से एक हैं।विडंबना यह है कि ऐसी घटनाओं को सामान्य आपराधिक घटनाओं की तरह देखा जाता है और उसके पीछे सामाजिक जड़ता और मनोवैज्ञानिक जटिलताओं को समझने और उसी मुताबिक उसका दूरगामी हल निकालने की कोशिश नहीं की जाती।

यही वाक्य जब सीधे शब्दों में बदल कर आता है कि 'जगह जैसे मिली थी वैसे ही वापस करनी है', तो उसकी स्पष्टता ही उसका अधिकार बनती है। इस अंतर की वजह से तकनीक की आवश्यकता महसूस हुई, क्योंकि जानकारी तभी शक्ति बनती है, जब उसे समझा जा सके। कृत्रिम मेधा के माध्यम से कानूनी दस्तावेजों की व्याख्या, सार, सरल-भाषा और प्रश्न-उत्तर आधारित स्पष्टीकरण संभव होने लगे हैं। कई एआई आधारित मंच यह सुविधा दे रहे हैं कि नागरिक किसी दस्तावेज का अर्थ पूछे और वह आसान भाषा में मिल जाए। नागरिक यदि पूछे 'क्या इस क्लॉज में मेरे लिए कोई जोखिम है?' तो एआई उत्तर दे सकती है- यदि आप नियम तोड़ते हैं, तो कंपनी आप पर जुर्माना लगा सकती है। यह परिवर्तन न केवल सुविधा है, बल्कि न्याय को जनता तक ले जाने का माध्यम है।

जब अदालतों में कानून की भाषा सरल होगी, तभी न्याय सचमुच जनता तक पहुंचेगा

(मनीष जैसल)

अदालतों में दायर याचिकाओं से लेकर बैंक-कर्ज के दस्तावेजों, करायेदार से संबंधित समझौतों और बीमा-पॉलिसी की शर्तों तक हर जगह ऐसी भाषा दिखाई देती है, जिसे पढ़ने मात्र से आम आदमी भ्रम में पड़ जाता है। कानून की भाषा और आम नागरिक के बीच की दूरी कम करने में कृत्रिम मेधा नई संभावनाएं खोल रही है। समाज में कानून को लेकर जो धारणा वर्षों से बनी हुई है, वह किसी को भी असहज कर देने वाली है। अदालतों की लंबी तारीखों और मोटी फाइलों से आम आदमी विचलित होता है। लोग अक्सर कहते भी हैं कि कानून के फेर में न पड़ो, वरना जिंदगी कोर्ट-कचहरी में निकल जाएगी। जब कोई नोटिस या कानूनी कागज घर पहुंचता है, तो सबके चेहरे पर तनाव की रेखाएं खिंच जाती हैं।

देश में न्याय और नागरिक के बीच सबसे ऊंची दीवार यदि कोई है, तो वह है कानून की जटिल भाषा। अदालतों में दायर याचिकाओं से लेकर बैंक-कर्ज के दस्तावेजों, करायेदार से संबंधित समझौतों और बीमा-पॉलिसी की शर्तों तक हर जगह ऐसी भाषा दिखाई देती है, जिसे पढ़ने मात्र से आम आदमी भ्रम में पड़ जाता है।

न्याय व्यवस्था तकनीक और डिजिटलीकरण के साथ बदल रही है, लेकिन भाषा की जटिलता आज तक कम नहीं हुई है। कानून जनता के लिए बना है, लेकिन उसकी भाषा जनता से कोसों दूर है। ऐसे में कृत्रिम मेधा यानी एआई एक नए युग की शुरुआत कर रही है, जहां कानूनी शब्दावली और आम नागरिक के बीच की दूरी कम हो सकती है।

कानूनी भाषा के कठिन होने का एक बड़ा कारण उसकी सटीकता है। विधि-निर्माता इस बात की कोशिश करते हैं कि शब्दों का ऐसा इस्तेमाल हो, जिससे किसी अर्थ-भ्रम की संभावना न बचे। इसलिए लंबे वाक्य, जटिल उपवाक्य, विशिष्ट परिभाषाएं और बहुस्तरीय शर्तें दस्तावेजों का हिस्सा बनती हैं। मगर यही सटीकता आम आदमी को कानून की समझ से दूर कर देती है। वह समझना तो चाहता है, लेकिन शब्दों की दीवार उसे पीछे धकेल देती है।

कई नागरिक कभी-कभी अपने हस्ताक्षर किए हुए दस्तावेज भी पूरी तरह नहीं पढ़ते, क्योंकि वे यह मान लेते हैं कि वे इसे समझ ही नहीं पाएंगे। मौजूदा दौर में एआई अब वकीलों और उनके मुवक्किल के बीच एक सेतु बन रही है। आज ऐसी तकनीक विकसित हो रही है, जो जटिल कानूनी दस्तावेजों को सरल भाषा में बदल सकती है। यह अनुवाद मात्र शब्दों का

नहीं, अभिप्राय का होता है।

इस तरह के परिवर्तन से न सिर्फ जानकारी साफ होती है, बल्कि भय-भाव कम होता है, जो वर्षों से कानून के साथ जुड़ा रहा है। ऐसी ही स्थिति किरायेदारी-समझौते, बीमा-दावे, बैंक-कर्ज और सरकारी नोटिस में भी दिखाई देती है। जब किसी समझौते में लिखा होता है कि 'किराएदार को संपत्ति को पूर्ववत स्थिति में लौटाना अनिवार्य होगा', तो बहुत-से लोग इसका वास्तविक अर्थ नहीं समझते।

यही वाक्य जब सीधे शब्दों में बदल कर आता है कि 'जगह जैसे मिली थी वैसे ही वापस करनी है', तो उसकी स्पष्टता ही उसका अधिकार बनती है। इस अंतर की वजह से तकनीक की आवश्यकता महसूस हुई, क्योंकि जानकारी तभी शक्ति बनती है, जब उसे समझा जा सके। कृत्रिम मेधा के माध्यम से कानूनी दस्तावेजों की व्याख्या, सार, सरल-भाषा और प्रश्न-उत्तर आधारित स्पष्टीकरण संभव होने लगे हैं। कई एआई आधारित मंच यह सुविधा दे रहे हैं कि नागरिक किसी दस्तावेज का अर्थ पूछे और वह आसान भाषा में मिल जाए।

नागरिक यदि पूछे 'क्या इस क्लॉज में मेरे लिए कोई जोखिम है?' तो एआई उत्तर दे सकती है- यदि आप नियम तोड़ते हैं, तो कंपनी आप पर जुर्माना लगा सकती है। यह परिवर्तन न केवल सुविधा है, बल्कि न्याय को जनता तक ले जाने का माध्यम है। डिजिटल युग ने प्रक्रियाओं को सरल किया है, भाषा को नहीं। अब ई-फाइलिंग से बहस तक ऑनलाइन हो रही है। दस्तावेज डिजिटल स्वरूप में उपलब्ध हैं, लेकिन भाषा वही पहेली बनी हुई है। ऐसी स्थिति में एआई की भूमिका तकनीकी प्रगति के साथ न्यायिक लोकतंत्र की आवश्यकता भी है।

दुनिया के कई देशों में कानून की भाषा को सरल और नागरिक-अनुकूल बनाने के लिए एआई का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका में न्यायालयों और विधि-फर्मों में एआई आधारित उपकरण का इस्तेमाल न सिर्फ कानूनी दस्तावेजों का विश्लेषण करने के लिए, बल्कि उन्हें साधारण भाषा में रूपांतरित करने के लिए भी किया जा रहा है।

ब्रिटेन में सरकार ने इस अभियान को एआई-सहयोग से और मजबूत किया है, ताकि नागरिकों को अदालतों और प्रशासनिक आदेशों की भाषा आसान रूप में मिल सके। कनाडा में भी न्याय-अभिगम कार्यक्रम के तहत एआई व्यवस्था अदालतों से जुड़े दस्तावेजों को आम नागरिक की भाषा में समझा कर उपलब्ध कराती है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में स्थानीय न्यायालयों ने उन क्षेत्रों के लोगों के लिए एआई-आधारित अनुवाद और सरलीकरण प्रणाली शुरू की है, जहां अंग्रेजी मातृभाषा नहीं है।

इन देशों के अनुभव बताते हैं कि भाषा-सरलीकरण के बाद न्यायिक प्रक्रियाओं में आम जनता की भागीदारी बढ़ी है और विवादों की संख्या में कमी आई है। यूरोप के कई देशों में भी न्याय-व्यवस्था में इसे शामिल किया जा रहा है और विशेष रूप से फ्रांस, जर्मनी और नीदरलैंड जैसे देशों में कानून की जटिल शब्दावली को नागरिक-अनुकूल रूप में बदलने की दिशा में संगठित पहल दिखाई देती है।

फ्रांस में न्याय मंत्रालय एआई-सहायता से अदालतों के आदेशों का सहज भाषा में सार उपलब्ध करा रहा है। जर्मनी में 'लीगल टेक' जैसे नवउद्यम किरायेदारी विवाद, बीमा दावे और कर संबंधी दस्तावेजों को आम आदमी की भाषा में समझाने में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। एस्टोनिया ने तो कृत्रिम मेधा-आधारित 'डिजिटल जज' शुरू किया है, जो छोटे मामलों में तकनीक-सहायता से निर्णय प्रक्रिया को सरल करता है। भारत में भी कानून की भाषा को सरल बनाने और तकनीकी माध्यम से आम नागरिक तक पहुंचाने की दिशा में उल्लेखनीय काम हो रहा है। एक अनुवाद मंच ने बाईस भारतीय भाषाओं में चालीस हजार से अधिक कानूनी दस्तावेजों का अनुवाद किया है, जिससे अंग्रेजी-भाषी कानूनी दस्तावेजों का लाभ हिंदी-भाषी और अन्य भाषाई समूहों तक पहुंचने लगा है। इसके साथ ही, कई 'लीगल-टेक' कृत्रिम मेधा का उपयोग कर कानूनी शोध, दस्तावेज विश्लेषण और समझ-सार तैयार करने में लगे हैं। इसके नतीजे सामने आ रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि इस दिशा में संस्थाएं, न्यायालय, विश्वविद्यालय और प्रशासन मिलकर काम करें। जैसे हम शिक्षा में डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराते हैं, वैसे ही कानून की भाषा को सरल बनाने का भी सार्वजनिक तंत्र विकसित होना चाहिए। कानून तभी लोगों का साथी बन सकता है, जब उसकी भाषा लोगों की भाषा हो। आज भी अनेक नागरिक अपने अधिकारों से इसलिए दूर रह जाते हैं, क्योंकि कानूनी शब्दावली उन्हें जटिल लगती है। जब तकनीक, विशेष रूप से कृत्रिम मेधा, इस भाषा को सरल, स्पष्ट और समझने योग्य बनाने का कार्य करेगी, तब न्याय केवल अदालतों तक सीमित अवधारणा नहीं रहेगा, बल्कि आम नागरिकों के जीवन का हिस्सा बन जाएगा। (यह लेखक के अपने विचार हैं)।

जब चुनौतियों का अंत न दिख रहा हो- कमजोर मानसून, महंगा तेल और बढ़ती आर्थिक चिंता

(जयंतीलाल भंडारी)

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से सरकार के नीतिगत हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित है, इसलिए हर वर्ग के लोगों को महंगाई का मुकाबला करने के लिए आगे बढ़ना होगा।

कमजोर मानसून और कच्चे तेल की महंगाई की दोहरी मार से अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीतिजनित मंदी की चुनौती बढ़ गई है। अमेरिका ने ईरान पर नए सिरे से हमले तेज कर दिए हैं, जिससे वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने लगी हैं। हाल ही में विश्व मौसम विभाग ने कहा है कि इस वर्ष 2026 में भारत अल नीनो से अत्यधिक प्रभावित होगा। इससे भारत में कमजोर मानसून और सूखे की स्थिति कृषि, जल आपूर्ति और महंगाई के लिए चुनौतियां पैदा करेंगी। एशियाई विकास बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, इस वर्ष 2026-27 में भारत में महंगाई 6.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच सकती है। पेट्रोल, डीजल और गैस के महंगे होने का सबसे बड़ा असर आम आदमी की जेब पर पड़ने लगा है। खासतौर से खाड़ी देशों से आयातित कच्चे माल से बने उत्पादों की कीमतें सबसे ज्यादा बढ़ी हैं। आम आदमी के जीवन से जुड़ी वस्तुएं, कपड़े और घरेलू उपकरण आदि भी महंगे होते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस समय दैनिक जरूरतों का सामान बनाने वाली कई फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियां अपने उत्पादों की कीमत बढ़ाने या पैकेट के वजन घटाने के विकल्पों पर विचार कर रही हैं। ऐसे में एक ओर कमजोर मानसून और सूखे से निर्मित होने वाली चिंताओं पर ध्यान देना होगा, वहीं कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निर्मित महंगाई की चिंताओं पर भी ध्यान देना होगा। किसानों को इस बड़े मौसमी संकट से बचाने के लिए सरकार ने एक जून से देशव्यापी खेत बचाओ अभियान के तहत रणनीतिपूर्वक कदम आगे बढ़ाए हैं। इसके तहत किसानों को उनके इलाके और फसल के हिसाब से खास सलाह दी जा रही है, ताकि वे मौसम के जोखिमों को समझकर सही फसल लगाएं। किसानों को मौसम, मिट्टी और बाजार की मांग के हिसाब से कृषि उत्पादन संबंधी व्यावहारिक मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। सरकार ने एक व्यापक और सहयोगी ढांचा तैयार किया है, जिसमें पंचायतों, राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और स्थानीय कृषि विभागों को एक साथ जोड़ा गया है। नए कृषि मार्गदर्शन की पहुंच मजबूत करने के लिए 1,600 से ज्यादा विशेष टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम-किसान जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद भी करेंगी। हालांकि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से सरकार के नीतिगत हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित है, इसलिए सरकार के साथ-साथ उद्योग-कारोबार और हर वर्ग के लोगों को महंगाई का मुकाबला करने के लिए आगे बढ़ना होगा। लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर अमल करना चाहिए, जिसमें किफायत बरतने की जरूरत बताई गई है। सरकार ने हाल ही में पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 85 प्रतिशत तक किए जाने का निर्णय लिया है, जिससे पेट्रोल की कीमत में प्रति लीटर 20 रुपये तक की कमी आएगी। सरकार को तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना चाहिए। एथेनॉल और इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल से जहां आम आदमी सस्ता और प्रदूषण-मुक्त सफर कर सकेंगे, वहीं कच्चे तेल का आयात कम होने से देश का पैसा बचेगा और किसानों की कमाई भी बढ़ेगी। सरकार ने एथेनॉल मिले पेट्रोल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी खत्म कर दी है। उम्मीद करें कि सरकार भविष्य में नवीकरणीय ऊर्जा को पेट्रोल-डीजल का विकल्प बनाने जैसे दीर्घकालीन उपायों के साथ रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी।

पेट्रोल, डीजल और गैस के महंगे होने का सबसे बड़ा असर आम आदमी की जेब पर पड़ने लगा है। खासतौर से खाड़ी देशों से आयातित कच्चे माल से बने उत्पादों की कीमतें सबसे ज्यादा बढ़ी हैं। आम आदमी के जीवन से जुड़ी वस्तुएं, कपड़े और घरेलू उपकरण आदि भी महंगे होते हुए दिखाई दे रहे हैं।

तृण तृण बिखरती तृणमूल

(मृत्युंजय दीक्षित)

मात्र एक महीना पहले तक यही सांसद और विधायक ममता दीदी के साथ साए की तरह लगे रहते थे। जैसे ही बंगाल की जनता ने सत्ता बदली इन नेताओं का रुख बदल गया। आज ये नेता जिन विषयों पर ममता और अभिषेक बनर्जी को कोस रहे हैं सत्ता में रहते हुए कभी उन विषयों पर मुंह नहीं खोला, आर.जी. कर और संदेशखाली तक ये लोग मुंह में दही जमाए थे। राजनैतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इनमें से कई लोग ऐसे भी हैं जिनके ऊपर कोई न कोई केस चल रहा है और सत्ता जाने के बाद ममता दीदी में इनको बचाने का सारथ्य नहीं रहे तो ये भविष्य में किसी जांच और सजा से बचने के लिए ऐसा कर रहे हैं। तृणमूल सांसदों व विधायकों की लगातार बगावत से यह संकेत भी जा रहा है कि क्या ममता दीदी का अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के प्रति अधिक झुकाव उनकी पार्टी की इस हालत का कारण है। इससे तृणमूल के बागी नेताओं के स्वार्थी चरित्र की भी पोल खुल रही है।

तृणमूल नेताओं के प्रति जनता के गुस्से का आलम ये है कि चुनाव में पार्टी को धूल चटाने के बाद भी उसका मन नहीं भरा है। आए दिन तृणमूल नेताओं की सड़कों पिटाई की जा रही है। तृणमूल नेता जहां भी जाते हैं जनता उन्हें चोर-चोर कहकर पुकारती है और उन पर टमाटर-अंडे फेंकती है।

जब 4 मई 2026 को बंगाल जनता ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार की विदाई का जनादेश सुनाया तब किसी ने भी सपने नहीं सोचा था कि इस हार के बाद तृणमूल कांग्रेस तृण तृण होकर बिखरने लगेगी। बंगाल विधानसभा में तृणमूल के 80 विधायक जीतकर आए थे जिनमें से पहले 58 विधायक अलग हुए फिर उनकी संख्या बढ़कर 64 हो गई, नेता प्रतिपक्ष भी उन्होंने अपने मन का बना लिया। लोकसभा में 19 सांसदों ने बागी होकर अलग गुट बना लिया है, बागियों की संख्या आगे भी बढ़ सकती है। राज्यसभा सांसदों के त्यागपत्र भी आ रहे हैं। राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव तथा प्रकाश चिक बराईक इस्तीफा दे चुके हैं। आश्चर्यजनक रूप से ममता के सबसे करीबी कल्याण बनर्जी भी बगावती तेवर दिखा रहे हैं। जिला और पंचायत स्तर पर भी पार्टी की यही स्थिति है।

मात्र एक महीना पहले तक यही सांसद और विधायक ममता दीदी के साथ साए की तरह लगे रहते थे। जैसे ही बंगाल की जनता ने सत्ता बदली इन नेताओं का रुख बदल गया। आज ये नेता जिन विषयों पर ममता और अभिषेक बनर्जी को कोस रहे हैं सत्ता में रहते हुए कभी उन विषयों पर मुंह नहीं खोला, आर.जी. कर और संदेशखाली तक ये लोग मुंह में दही जमाए थे। राजनैतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इनमें से कई लोग ऐसे भी हैं जिनके ऊपर कोई न कोई केस चल रहा है और सत्ता जाने के बाद ममता दीदी में इनको बचाने का सारथ्य नहीं रहे तो ये भविष्य में किसी जांच और सजा से बचने के लिए ऐसा कर रहे हैं। तृणमूल सांसदों व विधायकों की लगातार बगावत से यह संकेत भी जा रहा है कि क्या ममता दीदी का अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के प्रति अधिक झुकाव उनकी पार्टी की इस हालत का कारण है। इससे तृणमूल के बागी नेताओं के स्वार्थी चरित्र की भी पोल खुल रही है। दल में तानाशाही इनको तब दिखाई दी जब सत्ता की मलाई छीन गई, यदि अभिषेक बनर्जी की अगुआई में पार्टी जीत गई होती और इनका लूट खसोट का धंधा चलता रहता तो इनकी आज जागी हुई आत्मा सोई पड़ी रहती।

आज जो सांसद बगावती तेवर अपना रहे हैं उनमें से दस पहली बार चुनकर आए हैं। ये तृणमूल नेताओं की वो पीढ़ी है जिसे ममता

बनर्जी ने बीजेपी के खिलाफ लड़ाई का नया चेहरा बनाकर आगे बढ़ाया था। अब यही लोग अपना भविष्य सुधारने के लिए ममता दीदी के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, क्योंकि ये जानते हैं बंगाल में सत्ता में आई पार्टियाँ कम से कम डेढ़-दो दशक सत्ता में रहती हैं, इस तरह आने वाले 15-20 वर्षों तक इनका कोई भविष्य नहीं होगा।

तृणमूल नेताओं के प्रति जनता के गुस्से का आलम ये है कि चुनाव में पार्टी को धूल चटाने के बाद भी उसका मन नहीं भरा है। आए दिन तृणमूल नेताओं की सड़कों पिटाई की जा रही है। तृणमूल नेता जहां भी जाते हैं जनता उन्हें चोर-चोर कहकर पुकारती है और उन पर टमाटर-अंडे फेंकती है। अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी जैसे नेताओ तक पर अंडे टमाटर फेंके जा चुके हैं और पिटाई हो चुकी है। यह भी संभव कि बंगाल की जनता में व्याप्त इस भयंकर आक्रोश से बचने के लिए भी तृणमूल नेता बगावती हो रहे हों।

तृणमूल के जिला स्तरीय नामचीन नेता इस्तीफा दे रहे हैं। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम, चंदन नगर के मेयर राम चक्रवर्ती, बिधान नगर के मेयर कृष्णा चक्रवर्ती और कटवा म्युनिसिपलिटी चेयरमैन कमलकांता चक्रवर्ती ने सौ से अधिक पार्षदों सहित इस्तीफा दे दिया है। राज्यभर से तृणमूल से लगातार इस्तीफों व बगावत के समाचार आ रहे हैं। हुगली, नादिया, मुर्शिदाबाद और उत्तर व दक्षिण - 24 परगना जैसे गढ़ों में प्रतिदिन पंचायत सदस्यों के पाला बदलने की खबरें आ रही हैं। टीएमसी में बगावत व इस्तीफों के बाद कोलकाता नगर निगम ही भंग कर दिया गया है। बंगाल में यह भी दावा किया जा रहा है कि इनमें से बहुत से लोग जेल जाने से बचने के लिए यह तरीका अपना रहे हैं। अभिषेक बनर्जी के डायमंड हार्बर मॉडल का कुख्यात चेहरा और चुनावों के दौरान अपने आप को पुष्पा कहने वाला फाल्टा विधानसभा चुनाव का उम्मीदवार जहाँगीर खां के जेल जाने से अफरा तफरी का माहौल है। तृणमूल नेताओं के पाप जैसे उतरा रहे हैं। बंगाल पुलिस को संदेशखाली के तालाब से बड़ी मात्रा में हथियार मिले हैं, एक खेत से करोड़ों का कैश और हथियार मिले हैं। बमों व अन्य हथियारों की फैक्ट्रियां मिल रही हैं। हजारों की संख्या में सफेद साड़ियाँ मिली हैं जो तृणमूल ने चार मई के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं की विधवाओं को देने के लिए रखी थीं यदि गलती से भी तृणमूल जीत जाती तो यही लोग जो आज इस्तीफा देकर भाग रहे हैं भाजपा कार्यकर्ताओं के नर संहार का नेतृत्व करते। अपराधों की जो फेहरिस्त है उसे देखकर लगता है कि ममता दीदी और उनके चाटुकारों का शेष जीवन अब कोर्ट कचहरी का चक्कर लगाने या फिर जेल में ही बीतने वाला है। एक समय वाराणसी लोकसभा से पीएम नरेंद्र मोदी को हराने और दिल्ली आकर इंडी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली ममता दीदी के लिए अपनी पार्टी का अस्तित्व बचा कर रखना भी मुश्किल हो चुका है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

डोनेट ब्लड वेलफेयर फाउंडेशन संस्था डीबी ग्रुप को रेड ड्रॉप एवं सेवक जन फाउंडेशन संघ ने किया सम्मानित

दल्लीराजहरा। डोनेट ब्लड वेलफेयर फाउण्डेशन संस्था डीबी ग्रुप निरन्तर रक्तदान सेवा करते 11 साल बेमिसाल को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भिलाई नगर में रेड ड्रॉप एवं सेवक जन फाउण्डेशन भिलाई की ओर से सम्मानित किया गया। संस्था के द्वारा विगत 11 साल में लगभग 8000 हजार यूनिट रक्तदान किया गया है जनसेवा एवं रक्तदान बेजुबान की सेवा करने हेतु राज्य के अन्य संस्थाओं के द्वारा सम्मानित किया जाता है। यह सम्मान रक्तवीर रक्त वीरंगना एवं सभी सहयोगी को समर्पित है। संस्था के कार्य को प्रोत्साहित करने हेतु यह सम्मान से सभी नव युवा को नेक कार्य करने के लिए नव ऊर्जा का उत्थान होगा। डीबी ग्रुप के द्वारा रक्त की कमी को पूरा करने के लिए समय समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है और रक्तदान करने से होने वाले फायदे के बारे में जागरूक किया जाता है। रक्तदान के लिए लोग जागरूक नहीं है रक्तदान करने से हमारे शरीर में जो भी फायदा होता है उसे शिविर के माध्यम से बताया जाता है ताकि आने वाले समय पे कोई भी रक्त के अभाव पर अकाल मृत्यु ना हो मरीजों के परिजन भी अब संस्था के द्वारा जानकारी देने पर रक्तदान करने को तैयार हो रहे है संस्था के सदस्य नियाज़ खान, सूरज गुप्ता, पवन सोनी, लक्ष्मण देवांगन, हेमंत गौतम, भरत देवांगन, सुमित जैन, दानेश आर्य, ऋषि ठाकुर, मजीद खान, संतोष रात्रे, अश्वन मानकर एवं टीम सादर आभार करती है।

जल जीवन मिशन के पानी टंकी बना शो पीस, ग्रामीणों को नहीं मिला बूंद भर पानी

बेमेतरा। जल जीवन मिशन के तहत बनाए गए पानी टंकी ग्रामीणों के लिए सफेद हाथी साबित हो रहा है ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल आपूर्ति करने के लिए गांव गांव पानी टंकी तो बना दिया गया। परंतु कहीं पर तो पानी टंकी का ढांचा खड़ा कर दिया गया है। कहीं पर पानी टंकी बनाकर तैयार है लेकिन गांव में पानी टंकी शो पीस बन कर रह गया है, क्योंकि उसमें से पानी नहीं आ रहा है। परिणाम स्वरूप संबंधित गांव के लोग पीने के पानी के लिए अभी भी परेशानी से जूझ रहे हैं और केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना फ्लाप हो रहा है। केंद्रीय शासन के जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के माध्यम से जिले के विभिन्न गांवों में ग्रामीणों को पेयजल प्रदान करने के लिए अलग-अलग स्थान पर अलग-अलग लाखों की लागत से पानी टंकी बनाकर बनाने के बाद फिर पानी टंकी से गांव के में रहने वाले ग्रामीणों के घर से उसे टंकी के पाइप से जोड़ने का भी काम करना था। इस काम को अलग अलग जगह पर बनाने का समय सीमा तय किया गया था लेकिन बेमेतरा जिले के कई गांव में इस जल मिशन योजना हाल बेहाल हो गया है। प्रणाम स्वरूप अभी कुछ गांवों में आधा अधुरा बन कर रह गया है धरातल में अभी तक पूर्ण नहीं हो पाया है। इस संबंध में मिली जानकारी अनुसार ग्राम बाहर बोड में पानी टंकी बनाकर देना था इसके बाद ग्रामीणों को इस पानी टंकी के माध्यम से जल प्रदाय करना था लेकिन यहां पर अभी तक पानी टंकी नहीं बन पाया, केवल पानी टंकी का ढांचा खड़ा किया गया है और कालम एवं सीढ़ी बनाकर उसे आधा अधूरा छोड़ दिया गया है। जबकि ग्राम कठिया में हर घर नल से जल का दावा करने वाली नल जल योजना की हकीकत ग्राम पंचायत कठिया में देखने को मिल रही है। यहाँ लगभग 5 वर्ष पूर्व लाखों रुपये की लागत से बनी पानी की टंकी शोपीस बनकर खड़ी है। ग्रामीणों का आरोप है कि टंकी बनने के बाद से आज तक इसमें से एक बूंद पानी भी नलों में नहीं आया। न तो घरों तक पाइपलाइन बिछाई गई, न ही पंप-मोटर चालू किया गया। योजना पूरी होने के बाद भी लोग आज भी हैंडपंप और टैंकरों पर निर्भर हैं। गर्मी में हालात और बदतर हो जाते हैं। मुलमुला में भी सिंगल विलेज पाइप वाटर सप्लाई स्कीम के तहत 139.20 लाख के लागत से ठेकेदार के द्वारा पानी टंकी बनाकर तैयार कर लिया गया। साथ ही पाइपलाइन 11900 मीटर भी बना लिया है। इसके अलावा घरेलू नल कनेक्शन 362 नग में में लगभग 80-90 प्रतिशत कार्य पूर्ण भी हो गया है। उसके बाद से यहां पर काम बंद कर दिया गया। परिणाम स्वरूप यहां के लोगों को जल जीवन मिशन योजना का लाभ अभी तक नहीं मिल रहा है। यही हाल ग्राम किरीतपुर का है जहां पर करीब 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। लेकिन बाद में यहां काम बंद कर दिया गया था लेकिन शिकायत के बाद यहां आगे काम शुरू हुआ है। जबकि अभी तक यहां काम पूरा नहीं हो पाया है। यही हाल ग्राम सिंदरी का है बेमेतरा विकास खंड के ग्राम सेंदरी में एकल ग्राम पाइप जल प्रदान योजना घरेल, नल जल कनेक्शन उच्चस्तरिय जलागार निर्माण एवं सम्बधित कार्य 51.66 लाख रुपए के लागत से यहां पर नल जल योजना के अंतर्गत पानी टंकी एवं लोगों के घरों में पानी प्रदान करने के लिए पाइप कनेक्शन देना था लेकिन यहां पर केवल पानी टंकी को भी पुरा नही बनाया गया है बल्कि पानी टंकी तक जाने का सिढ़ी बना कर छोड़ दिया गया है और उसके बाद यहां भी काम को रोक दिया गया है। सेंदरी गांव में पानी के लिए पाइप लाइन भी नहीं बिछाया गया।

आवासीय खेल अकादमी रायपुर में बारगांव के दो खिलाड़ियों का हुआ चयन

बेमेतरा। बच्चों की तुलना यूं ही नहीं आने वाले सुनहरे कल से की जाती है,ये बच्चे ही होते हैं जो अपने परिवार,अपने क्षेत्र और देश का सुनहरा भविष्य सुनिश्चित करते हैं, बारगांव के छात्र-छात्राएं हॉकी खेल में अपनी खास पहचान बना रही है,ये खिलाड़ी न सिर्फ बारगांव के लिए बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। बारगांव हॉकी की नर्सरी नई प्रतिभाओं को निखारने और भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बारगांव ग्रामीण अंचल के दो होनहार हॉकी खिलाड़ियों ने ऐसा ही कुछ किया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रायपुर स्थित आवासीय खेल अकादमी में हॉकी के लिए चयन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बेमेतरा जिला अंतर्गत विकासखण्ड बेरला के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव के दो होनहार खिलाड़ियों का चयन अवासीय खेल अकादमी रायपुर में हॉकी खेल लिए हुआ है, जिसमें विद्यालय की कक्षा 12 वी की छात्रा तन्नू बेग एवं कक्षा 11 वी के छात्र ओमकार निषाद का चयन हुआ है, जहां वे दोनों खिलाड़ी आवासीय खेल अकादमी में रहकर हॉकी खेल की बारीकियां सीखेंगी, हॉल ही में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा मध्यप्रदेश राज्य के ग्वालियर शहर में आयोजित राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता में खिलाड़ी तन्नू बेग ने छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया था एवं राजनांदगांव में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग टीम से खेलते हुए अपने कलात्मक खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीत क्षेत्र का नाम रोशन किया। इसी प्रकार खिलाड़ी ओमकार निषाद ने कोरबा में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का दमदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक पर कब्जा किया निरंतर अभ्यास और समर्पण व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू स्कूल ग्राउंड में रोजाना सुबह और शाम बारगांव, मटिया, कुम्ही, खर्रा, देवरी सहित आस पास क्षेत्रों के 70 से 80 छात्र-छात्राओं को कड़ी मेहनत के साथ हॉकी खेल का नियमित अभ्यास कराती है, व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू ने बताया कि रायपुर स्थित आवासीय खेल अकादमी में हॉकी खेल के लिए चयन ट्रायल प्रतियोगिता आयोजित किया था जिसमें विद्यालय से तन्नू बेग एवं ओमकार निषाद ने भाग लिया जहां दोनों ने अपने-अपने खेल का उम्दा प्रदर्शन किया दोनों खिलाड़ियों का चयन उत्कृष्ट खेल कौशल के आधार पर हॉकी आवासीय अकादमी रायपुर के लिए हुआ है जहां शासन की आवासीय खेल अकादमी में खिलाड़ियों को मुफ्त उच्च स्तरीय प्रशिक्षण,अच्छी डाइड,किट,और शिक्षा जैसी सुविधाएं मिलेगी। विद्यालय के प्राचार्य श्याम सिंह ने बधाई एवं शुभकामनाएं दिया।

18 से 20 जून तक लगेंगे पंजीयन शिविर

बेमेतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर टाउन हॉल बेमेतरा में आयोजित शिविर के शुभारंभ अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल करेंगे। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपेश साहू, जिला पंचायत के अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी, छत्तीसगढ़ रजककार बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, जनपद पंचायत बेमेतरा के अध्यक्ष हेमा जय दिवाकर, नगर पंचायत बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिंहा, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू उपस्थित रहेंगे। शिविर के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में अन्य जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहेंगे।

विधायक दीपेश साहू ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल में बच्चों से किया संवाद

बेमेतरा। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल सिंघौरी पहुंचे, जहां उन्होंने नन्हे-मुन्ने बच्चों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय पहुंचने पर प्रिंसिपल संजय प्रसाद प्यासी सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने विधायक साहू उनकी धर्म पत्नी तरुणा साहू सहित जनप्रतिनिधियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने बच्चों से संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं, उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों एवं खेल सामग्री की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताकर उनकी रुचियों को जाना और उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। विधायक दीपेश साहू अपनी धर्मपत्नी के साथ नन्हेनन्हे बच्चों को कॉपी, पानी की बोतल, टिफिन डब्बा, चॉकलेट सहित अन्य उपयोगी सामग्री का वितरण किया। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बचपन जीवन की नींव रखने का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि –बच्चे हमारे देश और समाज का भविष्य हैं। अच्छी शिक्षा, अनुशासन और मेहनत के माध्यम से हर बच्चा अपने सपनों को पूरा कर सकता है। मेरा प्रयास है कि क्षेत्र के सभी बच्चों को बेहतर शिक्षा का वातावरण और आवश्यक सुविधाएं मिले। बच्चे नियमित रूप से स्कूल आएं, शिक्षकों का सम्मान करें और पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियों में भी आगे बढ़ें। शिक्षा ही वह माध्यम है, जो जीवन में सफलता के नए रास्ते खोलती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता है तो उन्हें सही मार्गदर्शन और अवसर देने की। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता महेश साहू, शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, महामंत्री संदीप यादव, पार्षद नीतू कोठारी, राजू देवांगन, ओमकार साहू, प्रिंसिपल संजय कुमार प्यासी पूजा शर्मा, अनीता कुर्मी, झान्वी शर्मा, वेदिका साहू, आशीष तिवारी, विनोद साहू, शुभम पांडेय, प्रहलाद घृतलहरे, अनिल खांडे राजेश नामदेव सहित समस्त जनप्रतिनिधिगण, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा विशाल धरना-प्रदर्शन आज

दल्लीराजहरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा शुक्रवार प्रातः 10:30 बजे से स्थानीय नगरपालिका कार्यालय के समक्ष एक विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शन सरकार द्वारा बिजली की दरों में लगातार की जा रही बेतहाशा बढ़ोतरी तथा दल्लीराजहरा के श्रमिक बाहुल्य क्षेत्रों में गहराते पेयजल संकट के विरोध में किया जा रहा है।इस आंदोलन के दौरान बिजली की बढ़ी हुई दरों को तत्काल वापस लेने की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष ने की अधिक से अधिक संख्या में जुटने की अपील ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रति राम कोसमा ने नगर के समस्त कांग्रेस पदाधिकारियों, नेताओं, कार्यकर्ताओं, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, पार्षदों और विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों सहित आम नागरिकों से इस प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया है। सरकार द्वारा बिजली के दामों में लगातार की जा रही वृद्धि से आम जनता और गरीब परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है। वहीं दूसरी ओर, हमारे श्रमिक बाहुल्य क्षेत्रों में लोग पानी की बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं। जनता के इन बुनियादी हक की लड़ाई लड़ने के लिए हम सड़क पर उतर रहे हैं। रति राम कोसमा अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने सभी कांग्रेस जनों से अपील की है कि वे नगरपालिका के सामने पहुंचकर इस विरोध प्रदर्शन में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करें।

वार्ड 17 में, गंदगी और जाम नालियों का साम्राज्य, नगर पालिका की लापरवाही से जनता त्रस्त

कवर्धा। नगर पालिका परिषद के वार्ड नंबर 17 में सफाई व्यवस्था पूरी तरह भगवान भरोसे नजर आ रही है। वार्ड की नालियां लंबे समय से सफाई के अभाव में बजबजा रही हैं, जिससे स्थानीय रहवासियों का जीना दूभर हो गया है। गंदगी, बदबू और मच्छरों के बीच लोग रोजमर्रा की जिंदगी बिताने को मजबूर है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि न तो वार्ड पार्षद इस गंभीर समस्या पर ध्यान दे रहे हैं और न ही नगर पालिका प्रशासन को जनता की परेशानी से कोई सरोकार दिखाई दे रहा है। स्थानीय निवासी राजू चंद्रवंशी ने बताया कि उनके घर के पास स्थित नालियों की हालत अत्यंत खराब हो चुकी है। नालियों में पानी की निकासी बंद पड़ी है, जिसके कारण गंदा पानी जमा होकर सड़ रहा है। इस सड़ांध से पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैली हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। सवाल यह उठता है कि आखिर नगर पालिका सफाई के नाम पर कर क्या रही है। बरसात का मौसम शुरू हो चुका है और आने वाले दिनों में तेज बारिश की संभावना बनी हुई है। ऐसी स्थिति में यदि नालियों की समय रहते सफाई नहीं हुई तो हालात और भी भयावह हो सकते हैं। जलभराव की समस्या बढ़ेगी, गंदा पानी सड़कों और घरों तक पहुंच सकता है, जिससे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, टायफाइड जैसी गंभीर बीमारियों के फैलने की आशंका कई गुना बढ़ जाएगी। बावजूद इसके प्रशासन की सुस्ती समझ से परे है। वार्ड में एक बड़ी समस्या यह भी सामने आई है कि कई मकान मालिकों ने अपने घरों के सामने बनी नालियों के ऊपर सीमेंट-कांक्रीट की ढलाई करवा दी है। कहीं दुकान के सामने स्थायी शेड बना दिए गए हैं, तो कहीं अवैध निर्माण कर नालियों को पूरी तरह ढंक दिया गया है। ऐसे में सफाई कर्मियों के लिए नालियों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। परिणामस्वरूप गंदगी अंदर ही अंदर जमा होती जा रही है और पूरा ड्रेनेज सिस्टम जाम पड़ता जा रहा है।

यह भी सामने आया है कि नगर में कुछ स्थानों पर बरसात पूर्व नाली सफाई का काम दिखावे के तौर पर जरूर किया जा रहा है, लेकिन वार्ड 17 जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में हालात जस के तस बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सफाईअभियान सिर्फ कागजों और फोटो सेशन तक सीमित है। जमीनी स्तर पर कोई प्रभावी काम दिखाई नहीं देता। समस्या केवल सफाई तक सीमित नहीं है। कई जगहों पर बिना उचित प्लानिंग के नालियों का निर्माण किया गया है। नालियों का लेवल और ढाल सही नहीं होने के कारण पानी का प्राकृतिक बहाव रुक जाता है। नतीजा यह कि पानी आगे बढ़ने के बजाय बीच रास्ते में ही जमा हो जाता है। यह सीधे तौर पर निर्माण कार्यों में लापरवाही और तकनीकी अनदेखी को दर्शाता है। सवाल यह भी उठता है कि क्या निर्माण कार्यों के दौरान किसी इंजीनियरिंग मानक का पालन किया गया था या सब कुछ सिर्फ खानापूर्ति में किया गया। वार्ड 17 के रहवासियों में प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि जब चुनाव आता है तब जनप्रतिनिधि बड़े-बड़े वादे करते हैं– साफ-सुथरा वार्ड, बेहतर जल निकासी और स्वच्छ वातावरण की बात करते हैं। लेकिन चुनाव खत्म होते ही जनता की समस्याएं भी उनके लिए खत्म हो जाती हैं। आज हालत यह है कि लोग बदबू और मच्छरों के आतंक के बीच रहने को मजबूर हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि नगर पालिका किसी महामारी फैलने का इंतजार कर रही है। क्या प्रशासन तब जागेगा जब वार्ड में लोग बीमार पड़ने लगेंगे। नगर पालिका और जनप्रतिनिधियों की यह उदासीनता सीधे तौर पर जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ जैसी प्रतीत होती है।

यदि जल्द से जल्द नालियों की व्यापक सफाई, अवैध अतिक्रमण हटाने और ड्रेनेज सिस्टम सुधारने की दिशा में कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो वार्ड नंबर 17 की यह समस्या आने वाले दिनों में बड़े जनस्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। फिलहाल वार्डवासी यही कह रहे हैं–अब बहुत हो चुका, जिम्मेदारों को जवाब देना ही होगा।

ढाई साल में चार बार बिजली दर वृद्धि से जनता बेहाल

भाजपा सरकार आर्थिक बोझ बढ़ाने में लगी : दलेश्वर साहू

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ती बिजली दरों और भारी-भरकम बिजली बिलों को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा सरकार की बिजली नीति पर जमकर हमला बोला गया। प्रेस वार्ता में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू ने कहा कि भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार जनता को राहत देने में नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर करने में लगी हुई है। दलेश्वर साहू ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बनने के बाद ढाई वर्षों में चार बार बिजली दरों में वृद्धि की गई, जिससे किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर टूट गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में जनता को सस्ती बिजली उपलब्ध कराई गई थी और बिजली बिल हाफ जैसी योजनाओं ने लाखों परिवारों को राहत दी थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने बिजली को आम आदमी की पहुंच से दूर करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जून माह में प्रदेश के 45 लाख से अधिक उपभोक्ताओं के बिजली बिल औसतन तीन गुना तक बढ़कर आए हैं, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। बिजली दरों में वृद्धि के साथ 12 प्रतिशत विद्युत शुल्क का अतिरिक्त बोझ डालकर सरकार ने जनता की जेब पर सीधा हमला किया है। ÷एक तरफ बिजली महंगी हो रही है, दूसरी तरफ सेवा लगातार खराब होती जा रही है। कटौती अलग और भारी बिल अलग–जनता आखिर जाए तो जाए कहां,÷ उन्होंने कहा। जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम के अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार आम जनता की नहीं, बल्कि बड़े उद्योगपतियों और पूंजीपतियों के हितों की सरकार बन गई है। उन्होंने कहा कि पहले से ही महंगाई और बेरोजगारी की मार झेल रही जनता पर बढ़ते बिजली बिलों ने अतिरिक्त संकट खड़ा कर दिया है। नवीन जायसवाल ने कहा कि भाजपा सरकार 24 घंटे बिजली देने का वादा पूरा नहीं कर पाई, लेकिन बिल वसूली में पूरी ताकत झोंक दी गई है। उन्होंने स्मार्ट मीटर व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेशभर से शिकायतें मिल रही हैं कि वास्तविक खपत से अधिक रीडिंग दर्ज की जा रही है, जिसके कारण उपभोक्ताओं को अनावश्यक रूप से भारी बिल चुकाने पड़ रहे हैं। बिना उपभोक्ताओं की सहमति के अनुबंध भार बढ़ाकर अतिरिक्त शुल्क वसूलना पूरी तरह जनविरोधी कदम है। प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेत्री सीमा अगम ने भी भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकता को सरकार ने कमाई का साधन बना लिया है। उन्होंने कहा कि आम गृहिणी से लेकर किसान तक हर वर्ग बढ़ते बिजली बिलों से परेशान है और सरकार जनता की आवाज सुनने के बजाय केवल वसूली में लगी है। कांग्रेस नेताओं ने संयुक्त रूप से मांग की कि बिजली दरों में की गई वृद्धि तत्काल वापस ली जाए, स्मार्ट मीटर व्यवस्था की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और बढ़े हुए बिजली बिलों की समीक्षा कर उपभोक्ताओं को राहत दी जाए। इस दौरान पूर्व विधायक ममता चंद्राकर, मनीष शर्मा, वीरेंद्र, अमन वर्मा, मेहुल सत्यवंशी, तुषार वर्मा और रामनारायण वर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि सरकार नहीं चेती तो प्रदेशभर में व्यापक जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा।

विकास, विश्वास और जनकल्याण के 12 वर्ष विषय पर टाउन हॉल में भव्य आयोजन

बेमेतरा। टाउन हॉल में आयोजित विकास, विश्वास और जनकल्याण के 12 वर्ष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा थे कार्यक्रम में केंद्र सरकार के जनहितकारी कार्यों, विकास योजनाओं एवं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने पिछले 12 वर्षों में गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना, महिला सशक्तिकरण, किसान हितैषी योजनाओं तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में हुए उल्लेखनीय कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर विकास और जनकल्याण के संकल्प को और अधिक मजबूत बनाने तथा सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का वातावरण उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी रहा इस अवसर पर जिला प्रभारी राजेंद्र शर्मा जी डी आई जी रामकृष्ण साहू सभापति विकाश तंबोली सभापति नीतू कोठारी युगल देवागन प्रणिश रजक लक्की साहू डॉ विनय साहू संदीप यादव विजय वर्मा एस डी एम भारद्वाज नगर पालिका सी एम ओ नरेश वर्मा गोपी देवागन उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

डीएमएफमद से 24 सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों की होगी संविदा भर्ती

बिलासपुर। जिले में लंबे समय से रिक्त पड़े सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी पदों को भरने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। पशुधन विकास विभाग, बिलासपुर में सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों के 40 पद पिछले एक वर्ष से रिक्त होने के कारण पशुपालकों को पशु चिकित्सा सेवाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा था। इस स्थिति को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) के अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने विभागीय प्रस्ताव पर 24 सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों की संविदा नियुक्ति के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, डॉ. जी.एस.एस. तंवर ने बताया कि डीएमएफमद से संविदा भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट एग्रीपोर्टल डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन अथवा जिला प्रशासन बिलासपुर की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट बिलासपुर डॉट जीओवी डॉट इन से आवेदन पत्र डाउनलोड कर निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 8 जुलाई 2026 शाम 5 बजे निर्धारित की गई है।उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया डीएमएफकी निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार की जाएगी। इसमें बिलासपुर जिले के स्थानीय पात्र अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। यदि जिले से पर्याप्त पात्र उम्मीदवार उपलब्ध नहीं होते हैं, तो बिलासपुर संभाग के अन्य जिलों के योग्य अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को होगा भव्य सामूहिक योग कार्यक्रम

बिलासपुर। बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रात: 6रू45 बजे से 7.45 बजे तक स्वर्गीय बी.आर. यादव स्मृति राज्य प्रशिक्षण खेल परिसर, बहतराई में जिला प्रशासन द्वारा भव्य सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक बिलासपुर श्री अमर अग्रवाल, विधायक बिल्हा श्री धरमलाल कौशिक, विधायक तखतपुर श्री धर्मजीत सिंह, विधायक बेलतरा श्री सुशांत शुक्ला, विधायक कोटा श्री अटल श्रीवास्तव, विधायक मस्तूरी श्री दिलीप लहरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, क्रेडा के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पाण्डेय तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बिलासपुर के अध्यक्ष श्री रजनीश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के निर्देश दिए हैं। आयोजन स्थल पर बैठक व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सहायता, पार्किंग, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। श्री अग्रवाल ने जिलेवासियों से बड़ी संख्या में योग कार्यक्रम में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य जीवन पद्धति है, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करती है। कलेक्टर ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति स्वस्थ, ऊर्जावान और तनावमुक्त जीवन जी सकता है। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन का आधार है। उन्होंने नागरिकों से अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस स्वस्थ समाज के निर्माण का सामूहिक अभियान है। योग को जीवन का हिस्सा बनाकर हम न केवल स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं, बल्कि परिवार और समाज को भी निरोग एवं सशक्त बना सकते हैं।

डीईओ ने अनुकंपा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्राप्त 7 आवेदकों के आवेदन के छानबीन के क्रम में 7 दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। यदि आवेदक के परिवार के कोई भी सदस्य शासकीय सेवा में कार्यरत हो अथवा किसी प्रकार के अपराधिक या न्यायालीन मामले उनके विरूद्ध लंबित हो तो इसकी जानकारी उक्त समयावधि में बंद लिफाफे में या स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी दे सकते है। डीईओ ने आगे बताया कि बिल्हा ब्लॉक के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला भाड़ी में व्यायाम शिक्षक (एलबी) के पद पर कार्यरत स्व. श्री राकेश बाटवे के परिवार से उनकी पत्नी श्रीमती रेनू बाटवे, कोटा ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला नवाडीह उपका में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत स्व. श्री कैलाश राम यादव की पत्नी श्रीमती सीता बाई एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीस में व्याख्याता एलबी के पद पर कार्यरत स्व. श्री देवेन्द्र कुमार दीक्षित की पत्नी श्रीमती चन्द्रकिरण दीक्षित ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने किया इलेक्ट्रिक लोको शेड, बिलासपुर का निरीक्षण

आधुनिक अनुरक्षण तकनीकों,नवाचारों एवं संरक्षा मानकों पर दिया जोर

बिलासपुर। श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने आज इलेक्ट्रिक लोको शेड, बिलासपुर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री आर.के. चौधरी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री मुदित भटनागर, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री आदित्य कुमार, मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन सहित मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने लोकोमोटिव अनुरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्यों का अवलोकन करते हुए व्हील पैरामीटर मापन प्रणाली, ट्रैक्शन मोटरों के अनुरक्षण तथा न्यूमैटिक, विद्युत एवं अन्य यांत्रिक उपकरणों के रखरखाव की समीक्षा की। उन्होंने संरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध अनुरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने इलेक्ट्रिक लोको शेड, बिलासपुर द्वारा विकसित ई-70 ब्रेक टेस्ट बेंच, 500 सीएफएम क्षमता के नवीन औद्योगिक एयर कम्प्रेसर तथा रबर, वार्निश एवं बेयरिंग के लिए वातानुकूलित एवं ज्वलनशील पदार्थों हेतु निर्मित विशेष डार्क भंडारण कक्ष का उद्घाटन किया। निरीक्षण के दौरान तकनीकी प्रगति के अनुरूप कर्मचारियों के कौशल विकास, उपलब्ध मानव संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा अन्य लोको शेडों की श्रेष्ठ कार्य प्रणालियों को अपनाकर लाइन में लोकोमोटिव विफलताओं में कमी लाने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने अनुरक्षण कार्यों में आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों को अधिकाधिक अपनाने पर बल दिया। इस अवसर पर इलेक्ट्रिक लोको शेड, बिलासपुर के अधिकारियों एवं संबन्धित कर्मचारियों ने महाप्रबंधक एवं वरिष्ठ अधिकारियों को शेड में संचालित विभिन्न अनुरक्षण गतिविधियों, नवाचारों एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने इलेक्ट्रिक लोको शेड, बिलासपुर द्वारा किए जा रहे नवाचारों एवं उत्कृष्ट अनुरक्षण कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संरक्षा, गुणवत्ता और विश्वसनीयता भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकताएँ हैं तथा इन्हें सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी उन्नयन, नवाचार और सतत प्रयास आवश्यक हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के जांजगीर-नैला स्टेशन में ऑटो सिग्नलिंग सहित चौथीलाइन कनेक्टिविटी कार्य हेतु कुछ गाड़ियों का परिचालन रहेगा प्रभावित

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के अंतर्गत बिलासपुर-चांपा चौथी लाइन परियोजना के अंतर्गत जांजगीर-नैला स्टेशन पर अप ग्रिड में ऑटो सिग्नलिंग सहित चौथी लाइन कनेक्टिविटी के कमीशनिंग कार्य हेतु नॉन-इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाएगा। यह कार्य 22 जून 2026 से 05 जुलाई 2026 तक विभिन्न चरणों में संपादित किया जाएगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण एवं रेल परिवहन क्षमता में वृद्धि के लिए बिलासपुर-झारसुगुड़ा के मध्य 206 किलोमीटर लंबी चौथी रेल लाइन परियोजना का कार्य लगभग ?2135.34 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत अब तक 180 किलोमीटर से अधिक चौथी रेल लाइन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। परियोजना के पूर्ण होने पर इस महत्वपूर्ण रेलखंड की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे ट्रेनों का परिचालन अधिक सुगम एवं गतिशील होगा। साथ ही, यात्री एवं माल परिवहन को गति मिलने से क्षेत्र के उद्योग, व्यापार एवं रोजगार को बढ़ावा मिलेगा तथा यात्रियों को बेहतर एवं अधिक सुविधाजनक रेल सेवाओं का भी लाभ प्राप्त होगा।

नीट-2026 परीक्षा के मद्देनजर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की विशेष तैयारियां!

■ परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों की सुविधा हेतु किए गए है व्यापक प्रबंध

बिलासपुर। 21 जून 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (ह्वश्वश्व्र-2026) के दौरान बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों के आवागमन को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने व्यापक विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडल के विभिन्न परीक्षा केंद्रों वाले स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा, सुरक्षित आवागमन तथा भीड़ प्रबंधन के लिए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत परीक्षा केंद्रों वाले स्टेशनों पर परीक्षार्थियों की अधिक संख्या में आवागमन की संभावना को ध्यान में रखते हुए प्रमुख स्टेशनों पर विशेष व्यवस्था की जा रही है। तथा यात्री सुविधाओं की भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों की सुविधा के लिए स्टेशनों पर पर्याप्त पेयजल, स्वच्छ प्रतीक्षालय, प्रकाश व्यवस्था, पंखे, लिफ्ट एवं एस्केलेटर सहित अन्य यात्री सुविधाओं को सुचारु रखा जाएगा। प्रमुख स्टेशनों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे, जहां बैठने की व्यवस्था, पेयजल एवं किफायती भोजन-नाश्ते की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। यात्रियों के मार्गदर्शन हेतु प्रमुख स्टेशनों पर विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे, जहां स्काउट्स एवं गाइड्स, वाणिज्यिक कर्मचारी तथा रेलवे स्टाफ तैनात रहेंगे। ये हेल्प डेस्क परीक्षार्थियों को ट्रेनों के समय, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय एवं अन्य आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराएंगे तथा वरिष्ठ नागरिकों एवं अभिभावकों को आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे। भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सिविल डिफेंस, वाणिज्यिक एवं परिचालन कर्मचारियों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन 20 से

बिलासपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों हेतु पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के लिए ऑनलाइन आवेदन, स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। पात्र विद्यार्थी विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग बिलासपुर ने बताया कि जिले के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग, आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिया जाएगा। छात्रवृत्ति पोर्टल नवीनीकरण आवेदन के लिए 20 जून 2026 तथा नवीन आवेदन के लिए 1 अगस्त 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नवीनकरण आवेदन 30 जून, 30 सितंबर, 30 नवंबर एवं 30 दिसंबर 2026 तक तथा नवीन आवेदन 30 अगस्त, 30 सितंबर, 30 अक्टूबर एवं 30 दिसंबर 2026 तक किए जा सकेंगे। छात्रवृत्ति की राशि पात्र विद्यार्थियों के आधार सीडेड बैंक खातों में पीएफएमएस के माध्यम से सीधे जमा की जाएगी। विभाग ने विद्यार्थियों से आवेदन करते समय सक्रिय एवं आधार से जुड़े बैंक खाते की जानकारी दर्ज करने तथा आवश्यक दस्तावेज जैसे आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र एवं पिछली परीक्षा की अंकसूची संलग्न करने की अपील की है। वर्ष 2025-26 से संबंधित विद्यार्थियों के लिए एनएसपी पोर्टल पर ओटीआर (वन टाइम रजिस्ट्रेशन) प्राप्त करना भी आवश्यक होगा। साथ ही नवीन संस्थाओं के संस्था प्रमुख एवं छात्रवृत्ति प्रभारी का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण कराना अनिवार्य किया गया है।

एसईसीएल योग महोत्सव 2026 के अंतर्गत मुख्यालय में योगा चिट चैलेंज का आयोजन

बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित एसईसीएल योग महोत्सव 2026 के अंतर्गत आज दिनांक 18 जून 2026 को एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में योगा चिट चैलेंज का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस थीम स्वस्थ आयु के लिए योग के अनुरूप आयोजित इस अभिनव गतिविधि में अधिकारियों एवं कर्मचारियों, विशेषकर महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने योगा चिट बॉक्स से पर्चियाँ निकालकर उन पर आधारित विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं योग संबंधी चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग के योग प्रशिक्षक श्री प्रितपाल सिंह गुंबर द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम की विधियों का मार्गदर्शन प्रदान करते हुए नियमित योगाभ्यास के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक लाभों की जानकारी दी। उन्होंने योग को स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली का आधार बताते हुए सभी को इसे दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। पूरे आयोजन के दौरान प्रतिभागियों ने ऊर्जा, उत्साह और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ सहभागिता करते हुए योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इस गतिविधि का उद्देश्य कर्मचारियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना, कार्यस्थल पर सकारात्मक एवं स्वस्थ वातावरण को प्रोत्साहित करना तथा योग के माध्यम से बेहतर जीवनशैली अपनाने के प्रति प्रेरित करना था। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को आकर्षक गुडीज़ प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। एसईसीएल योग महोत्सव 2026 के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विभिन्न योग-आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जिनका उद्देश्य कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के बीच योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवन के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है।

विश्वास के विकास के जनकल्याण शिविरों में उमड़ रहे हितग्राही, योजनाओं का लाभ दिलाने विशेष अभियान

■ 8 से 20 जून तक जिले में लगाए जा रहे शिविर, पात्र हितग्राहियों का किया जा रहा पंजीयन एवं त्वरित निराकरण

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विश्वास के, विकास के, जनकल्याण अभियान के तहत जिले में 18 से 20 जून तक विशेष जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम सभापति श्री विनोद सोनी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने आज टाउन हॉल में लगाए गए शिविर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। जिले में टाउन हॉल बिलासपुर, नगर पंचायत सांस्कृतिक भवन बिल्हा, सामुदायिक भवन मस्तूरी, तखतपुर के प्राथमिक शाला बुटेना तथा नगर पंचायत सांस्कृतिक भवन कोटा में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों में आयुष्मान भारत योजना, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण किया जा रहा है। साथ ही नागरिकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान कर पात्र हितग्राहियों का पंजीयन भी किया जा रहा है। टाउन हॉल बिलासपुर में आयोजित शिविर का निरीक्षण करते हुए नगर निगम सभापति श्री विनोद सोनी ने कहा कि शासन की मंशा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से नागरिक अपनी समस्याओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं, जिनका नियमानुसार त्वरित निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने बताया कि सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों का भी प्रभावी निराकरण किया गया है और इसी भावना के साथ जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य शासन की कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ना है। शिविरों में आयुष्मान कार्ड निर्माण, उज्ज्वला योजना, पीएम स्वनिधि योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर एसईसीएल मुख्यालय में 'कार्यस्थल पर योग' कार्यक्रम का आयोजन

बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में 17 जून 2026 को एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर स्थित सीएमडी सभागार में कार्यस्थल पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग निर्धारित की गई है, जिसके अनुरूप कार्यक्रम में कर्मियों को नियमित योग एवं प्राणायाम के माध्यम से स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए। योग सत्र का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ योग प्रशिक्षक श्री प्रीत पाल सिंह गुम्बर द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर आसानी से किए जा सकने वाले योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास कराया। साथ ही उन्होंने बताया कि नियमित योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक तनाव को कम कर कार्यक्षमता, एकाग्रता एवं सकारात्मकता को भी बढ़ाता है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया तथा स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

स्कन्द षष्ठी के दिन भगवान कार्तिकेय की पूजा-अर्चना

स्कन्द षष्ठी हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण व्रत और पर्व है। यह भगवान शिव और माता पार्वती के ज्येष्ठ पुत्र तथा देवताओं के सेनापति भगवान कार्तिकेय को समर्पित है। यह व्रत प्रत्येक माह शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को रखा जाता है। श्रद्धालु व्रत रखकर भगवान कार्तिकेय की पूजा करते हैं और सुख, शांति तथा समृद्धि की कामना करते हैं।

जून 2026 में स्कन्द षष्ठी की तिथि और शुभ समय

षष्ठी तिथि प्रारंभ : 19 जून 2026, शाम 5 :00 बजे

षष्ठी तिथि समाप्त : 20 जून 2026, दोपहर 3 :47 बजे

उदया तिथि के अनुसार स्कन्द षष्ठी व्रत : 20 जून 2026, शनिवार

स्कंद षष्ठी की पूजा विधि :

स्कंद षष्ठी व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। फिर साफ कपड़े पहनें। इसके बाद हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प लें। पूजास्थल पर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान कार्तिकेय की मूर्ति या तस्वीर रखें। भगवान कार्तिकेय को रोली, चंदन, अक्षत, फल, फूल और हल्दी चढ़ाएं। इसके बाद धूप, दीप और अगरबत्ती जलाएं। फिर उन्हे मिठाई और फलो का भोग लगाएं। स्कन्द षष्ठी व्रत कथा का पाठ करें। भगवान कार्तिकेय के मंत्रो का जाप करें। अंत मे दीपक या कपूर से आरती कर पूजा पूरी करें।

स्कन्द षष्ठी का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी तिथि पर भगवान कार्तिकेय ने अत्याचारी राक्षस तारकासुर का वध कर देवताओं को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई थी। इसलिए भगवान कार्तिकेय को देवसेनापति और युद्ध के देवता के रूप मे भी पूजा जाता है। यह पर्व जीवन मे बुराई पर अच्छाई की विजय तथा काम, क्रोध और लोभ जैसे आंतरिक विकारों पर नियंत्रण का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि भगवान कार्तिकेय की पूजा करने से भय दूर होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है और व्यक्ति को अपने कार्यों मे सफलता प्राप्त होती है।

सिंपल कुर्ती को पांच अलग तरह से स्टाइल करने के टिप्स

गर्मियों का मौसम है। इस मौसम में अधिकतर लड़कियां ऐसे परिधान पहनना पसंद करती हैं जो सहज हों। गर्मी से राहत देने वाले हों। ऐसे में गर्मियों में कुर्ती ट्रेंड में रहती हैं। हर लड़की के वॉर्डरोब में एक सिंपल कुर्ती जरूर होती है, लेकिन कई बार वही कुर्ती बार-बार पहनने पर बोरिंग लगने लगती है। लेकिन क्या आपको पता है कि आप अपनी उस एक साधारण सी कुर्ती से 5 अलग अलग तरह के लुक व स्टाइल अपना सकते हैं? अगर आप अपनी एक सिंपल कुर्ती को पहन कर बोर हो गए हैं तो बिना ज्यादा पैसे खर्च किए उसी कुर्ती से नया लुक ले सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं, सिर्फ कुर्ती के साथ अपने बॉटम वियर में बदलाव करें। बॉटम वियर बदलने से आपका पूरा स्टाइल ही बदल जाएगा। इस लेख में जानिए सिंपल कुर्ती को पांच अलग तरह से स्टाइल करने के टिप्स।

■ कुर्ती और जींस

अगर आपके पास एक नी लेंथ की कुर्ती है तो उसे स्किनी या स्ट्रेट जींस के साथ पहनें। इस लुक को पूरा करने के लिए स्नीकर्स या फ्लैट्स पहन सकती हैं। इसमें आपको कैजुअल चिक लुक मिलेगा। यह आउटफिट कॉलेज और कैजुअल आउटिंग के लिए परफेक्ट है।

■ कुर्ती और पलाज़ो

कंफर्ट के साथ स्टाइल चाहती हैं तो अपनी कुर्ती के साथ पलाजों को पेयर करें। फ्लोई पलाजो के साथ कुर्ती गर्मियों के लिए सहज और ट्रेंडी विकल्प है। इसके साथ मिनिमल ज्वेलरी पेयर करें।

■ कुर्ती और स्कर्ट

आप एक सिंपल कुर्ती के साथ लॉन्ग स्कर्ट को मैचअप कर सकते हैं। इसमें आपको फ्यूजन लुक मिलता है। बोहो ज्वेलरी के साथ कुर्ती और स्कर्ट अधिक आकर्षक लगता है। ये फेस्टिव व इंस्टाग्राम रेडी लुक के लिए बेस्ट है।

■ कुर्ती और शरारा

एथनिक ग्लैम के लिए शॉर्ट कुर्ती और शरारा पहनें। इसके साथ दुपट्टा ऐड करें। ये स्टाइल फंक्शन और वेडिंग के लिए बेस्ट है।

■ कुर्ती और धोती पैंट

कुर्ती में इंडो वेस्टर्न स्टाइल चाहिए तो इसे धोती पैंट के साथ पहनें। स्टेटमेंट इयररिंग्स से लुक पूरा करें। ये यूनिक और ट्रेंडी लुक देगा।

स्टाइलिंग टिप्स

बेल्ट लगाकर कुर्ती को नया शेप दें। लेयरिंग के लिए जैकेट या श्रग जोड़ें। फुटवियर से पूरा लुक बदल सकता है।

तुलसी के साथ घर में लगाएं ये लकी पौधे...

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को सिर्फ एक साधारण पौधा नहीं, बल्कि साक्षात देवी लक्ष्मी का रूप माना गया है। यही वजह है कि हर हिंदू घर के आंगन में तुलसी का पौधा जरूर नजर आता है। मान्यता है कि जिस घर में तुलसी हरी-भरी रहती है, वहां कभी सुख-समृद्धि की कमी नहीं होती। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वास्तु शास्त्र और ज्योतिष के अनुसार, कुछ ऐसे चमत्कारी पौधे हैं जिन्हें तुलसी के पास लगाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। आइए जानते इन खास पौधो के बारे में।

शमी का पौधा

वास्तु और धार्मिक मान्यताओं में शमी के पौधे का विशेष महत्व बताया गया है। इसे भगवान शनि और भगवान शिव से जुड़ा माना जाता है। कहा जाता है कि तुलसी के साथ घर में शमी का पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और जीवन में आने वाली बाधाएं कम हो सकती हैं। शमी का पौधा आर्थिक स्थिरता और तरक्की का प्रतीक भी माना जाता है।

मनी प्लांट

धन और समृद्धि से जुड़े पौधों की बात हो तो मनी प्लांट का नाम सबसे पहले आता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, सही दिशा मे लगाया गया मनी प्लांट घर में सकारात्मक ऊर्जा और आर्थिक प्रगति का संकेत माना जाता है। तुलसी के साथ इसकी मौजूदगी घर के वातावरण को और अधिक शुभ बनाने वाली मानी जाती है।

केले का पौधा

धार्मिक दृष्टि से केला का पौधा भगवान विष्णु को प्रिय माना जाता है। कई शुभ अवसरों और पूजा-पाठ में केले के पौधे का उपयोग किया जाता है। मान्यता है कि तुलसी और केले का पौधा एक साथ होने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा मिलती है, जिससे परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

पारिजात का पौधा

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, तुलसी के साथ पारिजात का पौधा लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और मानसिक शांति का अनुभव होता है।

अपराजिता का पौधा

नीले और सफेद रंग के सुंदर फूलों वाला अपराजिता का पौधा भी काफी शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह पौधा देवी-देवताओं को अर्पित किया जाता है। तुलसी के साथ अपराजिता लगाने से घर मे शुभता और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार बढ़ने की मान्यता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपकी नई योजनाएं सफल होंगी और आपकी प्रतिभा को उचित मंच मिलेगा। बिजनेस में जोखिम उठाना कल लाभदायक हो सकता है, जिससे आर्थिक लाभ के मार्ग खुलेंगे। कल आत्मविश्वास के साथ लिया गया हर निर्णय प्रगति और सफलता की नई कहानी लिखेगा। लव लाइफ मे रोमांस बढ़ेगा और पार्टनर के प्रति आकर्षण महसूस करेंगे। दांपत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। कल आप स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहे।

वृषभ राशि - करियर में आपकी प्रतिष्ठा को और निखारेगी। कल व्यापार में स्थिरता आएगी और जमीन-जायदाद से जुड़े निवेश में बड़े लाभ के योग हैं। कार्यस्थल पर आपकी मेहनत की सराहना होगी। लव लाइफ में मधुरता रहेगी और पार्टनर का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, जिससे आप मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। माता का आशीर्वाद आपके भाग्य को चमकाएगा और घर में नई ऊर्जा का संचार होगा।

मिथुन राशि - नौकरी में प्रमोशन या वेतन वृद्धि की संभावना है। बिजनेस में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद आपकी बुद्धिमानी आपको आगे रखेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और नई शुरुआत के लिए समय अनुकूल है। प्रेम प्रसंगों में सफलता मिलेगी और रिश्तों में रोमांस बना रहेगा। कल आपका स्वास्थ्य शानदार रहेगा और आप पुरानी बीमारियों से राहत महसूस करेंगे।

कर्क राशि - आपके लिए आर्थिक स्थिरता और वाणी के प्रभाव का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के द्वितीय भाव में चंद्रमा संचरण कर रहे हैं। करियर के क्षेत्र में आपकी वाणी और व्यवहार आपको बड़ी सफलता दिलाएंगे। आज व्यापार में धन लाभ के प्रबल अवसर हैं, जिससे आपकी आय में वृद्धि होगी। निवेश के लिए समय बहुत लाभकारी है। लव लाइफ मे आकर्षण बढ़ेगा, हालांकि पार्टनर के साथ बातचीत में स्पष्टता बनाए रखें।

सिंह राशि - आपकी राशि के प्रथम भाव मे चंद्रमा और केतु विराजमान हैं। करियर में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी और नई चुनौतियों को आप सफलता में बदल देंगे। बिजनेस में नई शुरुआत के बेहतरीन अवसर मिलेंगे और आर्थिक लाभ संतोषजनक रहेगा। लव लाइफ में पार्टनर के साथ भावनात्मक गहराई बढ़ेगी और रोमांस के पल बिताएंगे।

कन्या राशि - आपके लिए खर्चों और सावधानी बरतने का है, क्योंकि आपकी राशि के द्वादश भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर के सिलसिले में अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है, जो थोड़ी थकाऊ होगी। बिजनेस में जोखिम भरे निवेश से बचें, अन्यथा आर्थिक हानि हो सकती है। नौकरी मे सहकर्मियों के साथ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। लव लाइफ में गलतफहमी के कारण तनाव उत्पन्न हो सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें।

तुला राशि-आपकी मेहनत का उचित फल प्रमोशन के रूप मे मिल सकता है। बिजनेस में नए अनुबंध होंगे जो भविष्य मे बड़े लाभ दिलाएंगे। पुराने निवेशों से आर्थिक लाभ होगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और आप पार्टनर के साथ भविष्य की योजनाएं बनाएंगे। दोस्तों का पूरा सहयोग मिलेगा जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। स्वास्थ्य शानदार रहेगा और आप मानसिक रूप से काफी प्रसन्न महसूस करेंगे। भाग्य का सितारा बुलंद है।

वृश्चिक राशि -नौकरी में आपके काम की गुणवत्ता आपको पदोन्नति दिला सकती है। बिजनेस मे स्थिरता आएगी और तरक्की के नए अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और धन आगमन के मार्ग खुलेंगे। लव लाइफ में आकर्षण बना रहेगा, हालांकि काम की व्यस्तता के कारण पार्टनर को कम समय दे पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कल आपका स्वास्थ्य उत्तम बना रहेगा, जिससे आप कठिन चुनौतियों का डटकर सामना कर पाएंगे।

धनु राशि- भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे नई शुरुआत और सफलता के अवसर मिलेंगे। बिजनेस में किया गया निवेश सफल रहेगा और आर्थिक लाभ होगा। प्रेम संबंधों मे गहराई आएगी और पार्टनर के साथ किसी धार्मिक या लंबी यात्रा पर जा सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति के योग हैं। स्वास्थ्य स्थिर रहेगा और आप काफी सकारात्मक महसूस करेंगे। मानसिक शांति के लिए दान-पुण्य करना आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

मकर राशि - अचानक आई चुनौतियां आपको मानसिक तनाव दे सकती हैं। बिजनेस में उधारी के लेनदेन से बचें, अन्यथा आर्थिक हानि का जोखिम रहेगा। रिश्तों मे पारदर्शिता बनाए रखें, पार्टनर के साथ विवाद की स्थिति बन सकती है। कल आप स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरते। शोध और गुप्त कार्यों से जुड़े लोगों को सफलता मिल सकती है। धैर्य और संयम से काम लें। निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें, स्थिरता पर ध्यान दें।

कुंभ राशि- बिजनेस पार्टनर के साथ तालमेल बहुत अच्छा रहेगा और व्यापार मे विस्तार की नई योजनाएं बनेंगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन भविष्य के लिए निवेश करना लाभदायक रहेगा। लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और आकर्षण के कारण रिश्तों में नई ताजगी आएगी।

मीन राशि- करियर में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, लेकिन आपकी दृढ़ता आपको सफलता दिलाएगी। नौकरी में बारीकियों पर ध्यान दें। आर्थिक लाभ के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी, फालतू खर्चों पर रोक लगाएं। लव लाइफ में पार्टनर के साथ वाद-विवाद से बचें। कल आप स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, पुरानी बीमारी उभर सकती है।

बिना मेकअप सांवली त्वचा को बनाएं खूबसूरत

जानिए रंगत निखारने के टिप्स

भारत में अभी भी अधिकतर लोग गोरी त्वचा को सुंदरता का पैमाना मानते हैं। अगर आपकी त्वचा की रंगत गोरी है तो ही आपको सुंदर माना जाता है, जबकि असल में स्वस्थ और दमकती त्वचा ही सबसे खूबसूरत होती है। अगर आपकी त्वचा सांवली है तो इसे छिपाने की जरूरत नहीं, बल्कि सही तरीके से निखारने की जरूरत है। आज के समय में प्रदूषण, धूल मिट्टी, गलत खानपान और तनाव जैसी समस्याएं त्वचा की रंगत को प्रभावित करती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी स्किन केयर रुटीन में कुछ आसान और असरदार उपाय शामिल करें। सांवली त्वचा को निखारने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं होती है। आप घरेलू नुस्खों और सही लाइफस्टाइल से भी शानदार ग्लो पा सकती हैं।

त्वचा को रखें साफ :- त्वचा पर जमी धूल, पसीना और प्रदूषण रंग को दबा देते हैं। दिन में दो बार माइल्ड फेस वॉश करें। रात में सोने से पहले चेहरा जरूर साफ करें। हफ्ते में एक-दो बार एक्सफोलिएशन करें। डेड स्किन को बाहर निकालने के लिए हल्का स्क्रब जरूरी है। इससे त्वचा मे निखार आता है। ध्यान रखें ज्यादा रगड़ने से चमक नही बढ़ती बल्कि स्किन को नुकसान हो सकता है।

घरेलू नुस्खे :- दही और हल्दी के फेस पैक से टैनिंग कम होती है और त्वचा मुलायम बनती है। वहीं बेसन और गुलाब जल को मिलाकर चेहरे पर लगाने से रंग निखारता है, साथ ही ऑयल कंट्रोल करता है। कच्चा दूध नेचुरल क्लींजर का काम करता है। एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक और ग्लो देता है। रोज नहीं लेकिन हफ्ते में 2-3 बार इनका इस्तेमाल करें।

धूप से रंगत बिगड़ सकती है :- सांवली त्वचा में मेलानिन ज्यादा होता है, फिर भी सनटैन और पिगमेंटेशन का खतरा रहता है। इसलिए रोज सनस्क्रीन जरूर लगाएं। 3-4 घंटे में दोबारा लगाएं। धूप में दुपट्टा या कैप इस्तेमाल करें। सूरज की रोशनी से सही दूरी जरूरी है।

मॉइस्चर बढ़ाएगा ग्लो:- सूखी त्वचा कभी चमकती नहीं है। अपनी स्किन टाइप के अनुसार मॉइस्चराइजर का चुनाव करें। रात में हल्का ऑयल जैसे बादाम या नारियल त्वचा पर लगाएं। सर्दियों में त्वचा का खास ध्यान दें। इससे ग्लो बढ़ता है और रंगत में चमक आती है।

खानपान और नींद का असर:- त्वचा की खूबसूरती मेकअप पर नहीं, आपके पेट पर निर्भर करती है। विटामिन सी से भरपूर चीजों का सेवन करें। फल में पपीता, संतरा, अनार खाएं। सब्जियों में पालक और गाजर को अपनाएं। रोज 7-8 गिलास पानी पिएं और जंक फूड व ज्यादा चीनी से दूरी बना लें। पेट के अंदर की गंदगी बाहर के रंग को दबा देती है। इसके अलावा अगर आप पर्याप्त नींद लेते हैं तो शरीर और मस्तिष्क को आराम मिलता है। तनाव कम होता है, जिससे स्किन ग्लोइंग बनती है। 7–8 घंटे की नींद पूरी करें। योग या हल्का मेडिटेशन करें।

कटहल के बीजों में पाए जाते हैं पोषक तत्व

कटहल को साउथ और पूर्वोत्तर में पके हुए फल की तरह खाते हैं तो वहीं इसे पूर्वी, उत्तर और मध्य भारत में कच्चा स जी के रूप में खाया जाता है। कुछ लोग इसके बीजों को पकाने के दौरान या फिर फल से अलग कर देते हैं, लेकिन ये भी न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होते हैं और आपकी सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचा सकते हैं। जान लेते हैं कि कटहल के बीजों को आप डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं। कितने विटामिन-मिनरल्स हैं और कितने मिलेंगे इससे सेहत को फायदे।

कटहल के गूदे के साथ ही इसके बीजों में विटामिन ए, सी से लेकर, कैल्शियम और आयरन तक पाया जाता है जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी पोषक तत्व होते हैं। कटहल के बीजों में पोषक तत्व 100 ग्राम

कटहल के बीजों में 0.43 ग्राम प्रोटीन, 1.5 ग्राम फाइबर, 10 से 17 IU विटामिन ए, 11 मिलीग्राम विटामिन सी, 50 मिलीग्राम कैल्शियम, 54 मिलीग्राम मैग्नीशियम, 1.5 मिलीग्राम आयरन, 264 मिलीग्राम पोटेशियम, पाया जाता है। ये बी कॉम्प्लेक्स के विटामिन थायमिन, राइबोफ्लेविन का भी सोर्स है। इसमें कई और कंपाउंड भी पाए जाते हैं।

सीड्स को डाइट में कैसे करें शामिल?

कटहल के बीजों को डाइट मे शामिल करना बेहद सिंपल है। आप भारतीय स्टाइल में इसकी सूखी सब्जी बना सकते हैं। इसके अलावा इसकी चटनी, बनाने से लेकर क्रिस्पी स्नैक्स तक बनाया जा सकता है। आप इसके चिप्स बनाकर एयर फ्राई करके खा सकते हैं। स्टीम सीड्स को आप काटकर सलाद में डाल सकते हैं। सूप में एड कर सकते हैं। लहसुन, लेमन जूस, तिल के पेस्ट और ऑलिव ऑयल के साथ कटहल के बीजों को मिलाकर इसका ह्मस बना सकते हैं।

कटहल के बीजों के फायदे

कटहल के बीज का सेवन करने से वेट लॉस हो सकता है। ये ग्लूकोज टॉलरेंस में सुधार करता है, जिससे डायबिटिक लोगों के लिए फायदेमंद है। इसके अलावा कटहल के बीज कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड और लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने में हेल्प करते हैं।

इसमे विटामिन सी भी होता है जो त्वचा की सेहत और इम्यूनिटी को इंप्रूव करने में हेल्पफुल है।

पुदीने को लंबे समय तक ताजा रखने के उपाय

गर्मियों का मौसम आते ही पुदीने की मांग अचानक बढ़ जाती है। चाहे ठंडी चटनी बनानी हो, आम पन्ना तैयार करना हो, मोजिटो बनाना हो या फिर रायते में ताजगी का स्वाद जोड़ना हो, पुदीना लगभग हर भारतीय रसोई का अहम हिस्सा बन जाता है। लेकिन समस्या तब आती है जब बाजार से लाया गया ताजा पुदीना एक-दो दिन में ही मुरझाने लगता है। कई बार इसकी पत्तियां काली पड़ जाती हैं या सूख जाती हैं, जिससे न केवल स्वाद प्रभावित होता है बल्कि पैसे की भी बर्बादी होती है। गर्मियों में अधिक तापमान और नमी के कारण हरी पत्तेदार चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं। ऐसे में सही स्टोरेज तकनीक अपनाकर पुदीने को कई दिनों तक ताजा रखा जा सकता है। अच्छी बात यह है कि इसके लिए आपको किसी महंगे उपकरण की जरूरत नहीं है। घर में मौजूद कुछ साधारण चीजों की मदद से आप पुदीने की ताजगी और खुशबू लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं।

पुदीने को धोने के बाद पूरी तरह सुखाएं

अधिकतर लोग पुदीना धोकर सीधे फ्रिज में रख देते हैं, जिससे उसमें नमी बनी रहती है और पत्तियां जल्दी खराब होने लगती हैं। पुदीने को धोने के बाद किसी सूती कपड़े या किचन टॉवल पर फैलाकर अच्छी तरह सुखा लें। जब पत्तियों पर बिल्कुल भी पानी न रहे, तभी उसे स्टोर करें। यह तरीका पुदीने की शेल्फ लाइफ बढ़ाने में मदद करता है।

टिश्यू पेपर में लपेटकर रखें

पुदीने को लंबे समय तक ताजा रखने का सबसे लोकप्रिय तरीका है उसे टिश्यू पेपर में लपेटना। टिश्यू अतिरिक्त नमी को सोख लेता है और पत्तियों को सड़ने से बचाता है। पुदीने को हल्के से टिश्यू में लपेटकर एयरटाइट डिब्बे या जिप लॉक बैग मे रख दें। इससे पुदीना 10 से 15 दिनों तक ताजा रह सकता है।

पानी वाले जार में स्टोर करें

अगर आप पुदीने को बिल्कुल ताजा रखना चाहते हैं, तो उसकी डंडियों को पानी से भरे ग्लास या जार में रखें। यह तरीका फूलों को ताजा रखने जैसा ही है। जार को फ्रिज में रखें और हर दो दिन में पानी बदलते रहें। इससे पुदीने की पत्तियां लंबे समय तक हरी और फ्रेश बनी रहती हैं।

फ्रीजर में स्टोर करें

अगर आपको पुदीने का उपयोग रोज नहीं करना है, तो फ्रीजिंग एक बेहतरीन विकल्प है। पत्तियों को अलग करके आइस ट्रे में रखें और ऊपर से पानी डालकर फ्रीज कर दें। जरूरत पड़ने पर इन क्यूब्स को ड्रिंक्स, चटनी या अन्य व्यंजनों में इस्तेमाल किया जा सकता है।

स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत, दुर्ग में सदस्यों की नियुक्ति से जनोपयोगी प्रकरणों के निराकरण को मिलेगी नई गति

दुर्ग। आम नागरिकों को सुलभ, त्वरित एवं प्रभावी न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग में रिक्त पड़े सदस्यों के पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। अब दो सदस्यों की नियुक्ति होने से जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित प्रकरणों की नियमित सुनवाई पुनः सुचारू रूप से प्रारंभ हो सकेगी।

श्रीमती सुषमा लकड़ा, अध्यक्ष, स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों का त्वरित, सस्ता एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करना है, जिससे आम नागरिकों को न्यायालयीन प्रक्रिया की जटिलताओं एवं अनावश्यक विलंब से राहत मिल सके।

उल्लेखनीय है कि स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत का गठन विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 (Legal Services Authorities Act, 1987) की धारा 22-बी (Section ww-B) के अंतर्गत किया गया है। जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों के निराकरण के लिए इस अधिनियम की धारा 22-ए से 22-ई तक विशेष प्रावधान किए गए हैं। यह मंच नागरिकों को न्यायालयीन प्रक्रिया की जटिलताओं एवं अनावश्यक विलंब से बचाते हुए सरल, सुलभ एवं कम खर्चीला न्याय प्रदान करता है।

सदस्यों के पद रिक्त होने के कारण जनोपयोगी प्रकरणों की नियमित सुनवाई प्रभावित हो रही थी। अब दो सदस्यों की नियुक्ति से स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत, दुर्ग पूर्ण क्षमता के साथ कार्य कर सकेगी, जिससे प्रकरणों की नियमित सुनवाई एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित होगा तथा नागरिकों को समयबद्ध न्याय प्राप्त हो सकेगा।

स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत में विद्युत, जल प्रदाय, डाक, दूरसंचार, सार्वजनिक परिवहन, स्वच्छता, अस्पताल, बीमा सेवाएं, आवास एवं अचल संपत्ति विकास (बिल्डर) संबंधी सेवाएं तथा कॉलोनी/हाउसिंग प्रोजेक्ट से संबंधित विवादों का निराकरण किया जाता है। बिल्डरों द्वारा कॉलोनी विकास, भूखंड अथवा आवासीय इकाइयों के हस्तांतरण, मूलभूत सुविधाओं के विकास, रखरखाव तथा अन्य सेवा-संबंधी विवाद भी विधि अनुसार विचारणीय हो सकते हैं।

इस मंच की विशेषता यह है कि यहां विवादों के समाधान के लिए पहले पक्षकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण समझौते का प्रयास किया जाता है तथा समझौता नहीं होने की स्थिति में लोक अदालत द्वारा विधि अनुसार निर्णय भी पारित किया जा सकता है। स्थायी लोक अदालत का निर्णय संबंधित पक्षों पर बाध्यकारी होता है।

श्रीमती सुषमा लकड़ा, अध्यक्ष, स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग ने कहा कि सदस्यों की नियुक्ति से न केवल संस्थान की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि आमजन में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास भी और अधिक सुदृढ़ होगा। यह पहल नागरिकों को उनके अधिकारों की रक्षा हेतु एक प्रभावी एवं सुलभ मंच उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत, दुर्ग का लाभ उठाएं तथा त्वरित, सस्ता एवं प्रभावी न्याय प्राप्त करें। यह व्यवस्था न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करने तथा विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

डायल-112 के आरक्षक पर हमला, शराब के नशे में सिरफिरे ने डंडे से वार कर किया घायल

बिलासपुर। शहर में बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हैं कि कानून व्यवस्था संभाल रहे पुलिसकर्मी भी अब सुरक्षित नहीं हैं। ताजा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र से सामने आया है। यहां ड्यूटी पर तैनात डायल-112 के एक आरक्षक पर देर रात डंडे से हमला कर दिया गया। घायल आरक्षक को तत्काल उपचार के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, सिविल लाइन थाने का आरक्षक मोरज सिंह (बैच नंबर 788) डायल-112 की टीम में पदस्थ है। देर रात कुदुदंड में सागर छात्रवानी अपने पिता मुन्ना छात्रवानी के साथ घरेलू बातों को लेकर गाली-गलौज कर मारपीट कर रहा था। घटना की सूचना पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। डायल-112 स्टाफ द्वारा उसके पिता को सुरक्षित करने और विवाद शांत कराने का प्रयास किया गया। इसी बीच शराब के नशे में धुत सागर छात्रवानी से पुलिसकर्मियों की किसी बात को लेकर बहस होने लगी। देखते ही देखते बहस इतनी बढ़ गई कि उसने अपने पास रखे डंडे से आरक्षक पर हमला कर दिया, जिससे उसे सिर और आंख में गंभीर चोटें आईं। घायल पुलिसकर्मी का सिम्स में इलाज किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस और अधिकारी मौके पर पहुंचे और आरोपी की घेराबंदी कर उसे हिरासत में ले लिया है।

भिलाई चेम्बर का दल व्यापार,स्वावलंबन व आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य के साथ कश्मीर रवाना

भिलाई। भिलाई चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का 19 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा के नेतृत्व में 18 जून को कश्मीर की यात्रा पर रवाना हुआ। यह यात्रा व्यापार, पर्यटन और स्वावलंबन के माध्यम से स्थानीय परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य केवल पर्यटन तक सीमित न होकर सामाजिक एवं आर्थिक सहयोग के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

यात्रा का प्रमुख उद्देश्य कश्मीर के हिन्दू परिवारों को व्यापार वृद्धि में सहयोग प्रदान करना तथा वहां के किसानों को उनकी उपज के लिए व्यापक एवं उचित व्यापारिक क्षेत्र उपलब्ध कराने की संभावनाओं का अध्ययन करना है।

प्रतिनिधिमंडल गुलमर्ग एवं अन्य प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के अतिरिक्त कश्मीर के ऐसे नए पर्यटन स्थलों को भी चिन्हित करेगा, जहां पर्यटकों को आकर्षित कर स्थानीय हिन्दू परिवारों की आजीविका और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके।

चेयरमैन दिनकर बसोतिया जी ने बताया कि कश्मीर के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वावलंबन केंद्रों के माध्यम से लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में सहयोग देने तथा वहां के नागरिकों को स्वरोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा में प्रोत्साहित करने के विभिन्न आयामों पर भी विचार किया जाएगा। महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि व्यापार, पर्यटन और स्वावलंबन के माध्यम से कश्मीर के स्थानीय परिवारों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने में सार्थक योगदान करना ही हमारा उद्देश्य है।

इसी भावना के साथ 19 सदस्यीय दल इस महत्वपूर्ण यात्रा पर प्रस्थान किया। जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के संयोजक श्री दीप भारत जी ने इस दल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह यात्रा पर्यटन नही बल्कि एक उद्देश्य पूर्ण यात्रा होगी ।

दल को शुभकामनाओ के साथ विदाई देने उद्योग चेम्बर के अध्यक्ष जेपी गुप्ता,भिलाई चेम्बर के चेयरमैन दिनकर बसोतिया, महिला चेम्बर अध्यक्ष सुमन कनोजे,चेम्बर सलाहकार कन्हैया सोनी, गीता वर्मा,सरोजनी पाणिग्रही, अखराज ओस्तवाल,ओमप्रकाश शर्मा,भूषण अदलखा,शंकर सचदेव ,टीना सातपुते,रितेश अग्रवाल,महेश बंसल व अनेक चेम्बर के पदाधिकारि उपस्थित थे।

प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना शंकर सचदेव ने दी

औसत लागत से सस्ती दर पर मिलेगी उपभोक्ताओं को बिजली

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग व्दारा जारी नए टैरिफ संशोधन का प्रदेश के 51 लाख घरेलू उपभोक्ताओं में से लगभग 41 लाख उपभोक्ताओं पर आंशिक ही पड़ेगा। उन पर विद्युत दर संशोधन का प्रभाव शून्य से 3.65 प्रतिशत तक सीमित रहेगा। साथ ही किसानों पर इस वृद्धि का कोई भार नहीं पड़ेगा, क्योंकि इसका वहन राज्य शासन द्वारा किया जाता है। नये टैरिफ में औसत विद्युत आपूर्ति दर 7.13 रूपये प्रति यूनिट स्वीकृत की गई है, जबकि घरेलू उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार न्यूनतम स्लैब 4.40 रूपये प्रति यूनिट की दर से आपूर्ति की जावेगी। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने बताया कि विद्युत दरों का निर्धारण यह छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा किया जाता है, जो कि एक स्वतंत्र नियामक संस्था है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष की तुलना में नये टैरिफ में समेकित रूप से 6.23 प्रतिशत की नाममात्र वृध्दि की गई है, यह 42 पैसे प्रति यूनिट के समतुल्य है। घरेलू उपभोक्ताओं के विद्युत दरों में 30 पैसे प्रति यूनिट से 50 पैसे प्रति यूनिट की वृध्दि की गई है, तथापि इसका असर उपभोक्ताओं पर पूर्ण रूप से नहीं पड़ेगा, क्योंकि मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत योजना के अंतर्गत प्रतिपूर्ति शासन द्वारा की जाती है। आंकड़ो के अनुसार, प्रदेश के लगभग 51 लाख घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं में से 14.5 लाख बीपीएल उपभोक्ताओं को 30 यूनिट तक शासन द्वारा निःशुल्क विद्युत उपलब्ध कराई जा रही है अर्थात् यह राशि शासन द्वारा वहन की जाती है।

किरंदुल बस स्टैंड में गुरु अर्जुन देव की मनाई गई शाहदत दिवस

किरंदुल। किरंदुल में सिख समुदाय द्वारा गुरु अर्जुन देव की शहीदी दिवस मनाई गई। इस अवसर पर किरंदुल बसस्टैंड के जय स्तंभ चौक यात्री प्रतीक्षालय में राहगीरों को शरबत वितरण किया गया। गुरु अर्जुन देव शहीदों के सरताज एवं शान्तिपुंज हैं। आध्यात्मिक जगत में गुरु को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हैं। उन्हें ब्रह्मज्ञानी भी कहा जाता है। गुरुग्रन्थ साहिब में तीस रागों में गुरु की वाणी संकलित है। बता दें कि गुरु अर्जुन देव सिखों के पांचवें गुरु थे। गुरु अर्जुन देव शांत स्वभाव और कुशाग्र बुद्धि वाले थे। उनके शहादत दिवस के अवसर पर किरंदुल गुरुद्वारा सिंघ सभा कमेटी द्वारा नगर में राहगीरों को शर्बत पिलाई गई। इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष सुरेंदर सिंह, सचिव बंटी सिंघ अरोरा, संरक्षक राजेश संधू, मोहित धवन, संदीप जायसवाल विशेष रूप से उपस्थित थे।

जिले में 21,454 बच्चों को पिलाई जाएगी पल्स पोलियो की दवा

28 जून को होगा विशेष पल्स पोलियो अभियान, जिले के 429 बूथों पर होगी व्यवस्था

नारायणपुर। जिले में आगामी 28 जून को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो से सुरक्षा के लिए पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने जिले में अभियान की व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में कुल 21,454 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिले भर में 429 पोलियो बूथ, 08 ट्रांजिट टीम तथा 02 विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो अभियान को सफल बनाने में जुटी रहेंगी। अभियान के प्रथम दिन 28 जून को सभी निर्धारित बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। वहीं, जो बच्चे किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच पाएंगे, उन्हें 29 एवं 30 जून 2026 को स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर पोलियो की दवा पिलाई जाएगी, ताकि कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक खुराक से वंचित न रहे। अभियान की तैयारियों की समीक्षा हेतु 16 जून 2026 को जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा पंचायत विभाग को अभियान में आवश्यक सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला टीकाकरण अधिकारी तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा अभियान की रूपरेखा, लक्ष्य और तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। अधिकारियों ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं और पोलियो मुक्त भारत के निर्माण में सहयोग करें।

मनगट्टा स्थित विसली वुड रिसॉर्ट में 24 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भिलाई। राजनांदगांव जिले के मनगट्टा स्थित विसली वुड रिसॉर्ट में 24 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से सनसनी फैल गई है। घटना के बाद रिसॉर्ट और आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान भिलाई-3 नगर निगम कार्यालय के पास रहने वाली मुस्कान तिवारी (24 वर्ष) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मुस्कान अपने कुछ दोस्तों के साथ रिसॉर्ट में ठहरी हुई थी। समूह में भिलाई की दो युवतियां और तीन युवक शामिल थे, जबकि रायपुर के कुछ युवक भी वहां मौजूद बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि देर रात मुस्कान बाथरूम गई थी, जहां वह बेहोशी की हालत में मिली। सुबह करीब 5 बजे घटना की जानकारी रिसॉर्ट प्रबंधन को मिली। इसके बाद उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

घटना का एक अहम पहलू यह भी है कि युवती के साथ रिसॉर्ट में ठहरे अन्य लोग सुबह होने से पहले ही वहां से चले गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है और उनका बयान दर्ज किए जाने के बाद घटना के संबंध में महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की संभावना है।

पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल संदिग्ध मौत के इस मामले में सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव का किया आयोजन

नारायणपुर। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बखरूपारा में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद कमलापति मिश्रा एवं संजय नंदी उपस्थित रहे। साथ ही विद्यालय के शिक्षकगण, पालकगण एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। शाला प्रवेश उत्सव के अंतर्गत नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया गया तथा उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने एवं मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं स्कूल यूनिफॉर्म का वितरण किया गया। पार्षद एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं यूनिफॉर्म प्रदान कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई।

सेजबहार फेस-1 कॉलोनी की भूमि से गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने हटाया अतिक्रमण

वर्ष 2006 में आवासीय परियोजना हेतु आबंटित भूमि पर निजी बिल्डर द्वारा किया जा रहा था अवैध निर्माण

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने सेजबहार फेस-1 कॉलोनी स्थित अपनी भूमि पर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए अनधिकृत रूप से निर्मित सड़क को हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। दीनदयाल आवास योजना के अंतर्गत कलेक्टर रायपुर के आदेश से दिनांक 03 फरवरी 2006 के माध्यम से ग्राम सेजबहार एवं ग्राम दतरेंगा की कुल 21.538 हेक्टेयर (लगभग 53.19 एकड़) भूमि मंडल को आवासीय परियोजना विकसित करने हेतु आबंटित की गई थी। इसमें ग्राम सेजबहार के खसरा क्रमांक 162/1 का भाग तथा ग्राम दतरेंगा के खसरा क्रमांक 341/1 एवं 341/3 की भूमि शामिल है। उक्त भूमि पर आवासीय विकास हेतु विकास अनुज्ञा दिनांक 17 मई 2006 को स्वीकृत की गई थी। स्वीकृत ले-आउट के अनुसार परियोजना क्षेत्र में कुल 1435 एलआईजी (लो इनकम ग्रुप) आवासों का निर्माण प्रस्तावित था। स्थल निरीक्षण एवं अभिलेख परीक्षण के दौरान यह पाया गया कि स्वीकृत ले-आउट के अनुसार 1435 भवनों में से 1327 भवनों का निर्माण किया गया था। इसके अतिरिक्त 39 भवन स्वीकृत अभिन्यास से अलग निर्मित पाए गए। इस प्रकार कुल 1366 भवन निर्मित हुए। मंडल द्वारा किए गए निरीक्षण, अभिलेख परीक्षण तथा पूर्व अधिकारियों एवं अभियंताओं से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्य अवधि के दौरान भूमि विवाद की स्थिति उत्पन्न होने के कारण स्वीकृत ले-आउट में दर्शाए गए भवन क्रमांक 1287 से 1345 तथा 1412 से 1431 तक कुल 79 आवासों का निर्माण नहीं हो सका। सातवें चरण के अंतर्गत अनुबंध क्रमांक 41, दिनांक 07 अगस्त 2006 के तहत 192 आवासों के निर्माण का प्रावधान था, जिसके अंतर्गत कुल 193 एलआईजी भवनों का निर्माण किया गया। हालांकि विवादित क्षेत्र में स्थित 79 भवनों का निर्माण न तो किया जा सका और न ही उनका विक्रय किया गया। हाल ही में मंडल द्वारा अपनी लगभग 18 हेक्टेयर भूमि का राजस्व अभिलेखों के आधार पर सीमांकन कराया गया। सीमांकन के दौरान यह तथ्य सामने आया कि एक निजी बिल्डर द्वारा मंडल की भूमि के एक हिस्से पर अवैध रूप से कब्जा कर बिना अनुमति सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

सीमांकन रिपोर्ट में अतिक्रमण की पुष्टि होने के बाद मंडल ने तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की। नितेश कश्यप कार्यपालन अभियंता संभाग क्रमांक 3 सेजबहार, रायपुर के नेतृत्व में मंडल की टीम जिसमें अमृत लाल बरमन संपदा अधिकारी, हेमंत निषाद सहायक अभियंता, निकिता मिश्रा उपअभियंता, अनुपम राठौर उप अभियंता, पेमेन्द्र ध्रुव, अमय विक्रम तथा कमलेश दास ने मौके पर पहुंचकर अनधिकृत सड़क को हटाया और भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने की कार्रवाई की। मंडल के अधिकारियों ने बताया कि संबंधित भूमि मंडल की महत्वपूर्ण परिसंपत्ति है तथा भविष्य में यहां नई आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना है। मंडल अपनी भूमि एवं परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार के अतिक्रमण के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रखी जाएगी।

बिजली दर मे बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस ने किया मुख्यमंत्री का पुतला दहन

नारायणपुर। भाजपा सरकार मे बेहताशा महंगाई के बाद फिर से महंगाई का बोझ डालते हुए भाजपा सरकार ने बिजली दरो मे घरेलु मे प्रति यूनिट 30 से 50 पैसे गैर घरेलु मे 20से 40 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अव्हान पर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान मे नगर के मुख्य चौराहा मे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भाजपा सरकार के खिलाफ मुर्दाबाद का नारा लगाया गया। पुतला दहन के दौरान पुलिस जवान पहले से संभावित स्थान पर उपस्थित थे जैसे ही पुतला मे आग लगाया गया कांग्रेस कार्यकर्त्ता पुतला को पूरा जलाने के लिए पुलिस जवान के साथ हल्का झूमाझटकी किया। हर वर्ग सहित माध्यम और गरीब परिवार महंगाई से अत्यधिक श्रस्त है, बेरोजगरी से युवा श्रस्त हैं, लगातार पेट्रोल डीजल के साथ राशन, किराना गैस के महंगाई से हर वर्ग परेशान है और इस महंगाई मे सभी परिवार किसान के खर्चा का बजट बिगड़ा हुआ है। ऐसे महंगाई के बाद बिजली दरो का बढ़ा कर भाजपा सरकार हर वर्ग पर कुठाराघात मारा है। जबकि बिजली छत्तीसगढ़ राज्य मे बनता है और यहीं का बिजली अन्य राज्यों को बेचा जाता है तो हमारे राज्य मे ही बिजली का दर बढ़ाना ये सीधे सीधे जेब से पैसा छीनने जैसा काम है। भाजपा सरकार का, पुतला दहन के दौरान जिलाध्यक्ष राजेश दीवान, शहर कांग्रेस अध्यक्ष रघु मानिकपुरी, कोषाध्यक्ष वी पी शुक्ला जिला महामंत्री (संगठन) संजय राय महमंत्री (प्रशासनिक) शेख तौहीद पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं शहर कांग्रेस प्रभारी रवि देवांगन, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष गजा पटेल, नगर पालिका पूर्व उपाध्यक्ष प्रमोद नेलवाल ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष माधेश्वर जैन, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष एवं पार्षद विजय सलाम, जिला महासचिव शब्बीर बढ़गुजर, मोनू देशमुख, मंडल अध्यक्ष एड़का सुकदु, उमेश कर्मा, किरण वड्डे, दीपक गाँधी, मनोज सेन, रमेश ध्रुव, निताई भद्र, तरुण देहारी, गणेश शोरी एवं अन्य कांग्रेस कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com